पेज 03 में...
जनहित में चूक बर्दाश्त नहीं

साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
राष्ट्रपति के 'दत्तक पुत्र' हकों से वंचित

वर्ष : 01 अंक : 32 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 08 भाजपा का वीडियो अटैक

तरक्की और खुशियों का कॉरिडोर...

बस्तर के नारायणपुर-अबूझमाड़ को महाराष्ट्र से जोड़ेगा नेशनल हाईवे 130-डी

कुतुल से नीलांगुर महाराष्ट्र बॉर्डर तक एनएच-130-डी का होगा निर्माण

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए सरकार प्रयासरत

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

रायपुर में 40 हजार करोड़ के 23 प्रोजेक्ट से विकास के कदम तेज होंगे। विशाखापट्टनम कॉरिडोर से सीधे जुड़ने से प्रदेश की तरक्की और खुशियों वाला यह कॉरिडोर बस्तर के दूरस्थ अंचलों तक सुशासन की गंगा बहायेगा। छत्तीसगढ़ की राजधानी को बस्तर समेत उन सभी दूरस्थ अंचलों से जोड़ने वाली खुशियों और तरक्की भरी परियोजना भविष्य संवारने वाली साबित होगी।

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में 40 हजार करोड़ से चल रहा 23 प्रोजेक्ट पर काम। इनमें 465 किमी लंबा रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर भी शामिल है। इन प्रोजेक्ट के पूरे हो जाने पर कारोबार और समग्र विकास तेज गति से होगा। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत एनएचएआई 16 हजार 491 करोड़ की लागत से सिक्स लेन कॉरिडोर बना रहा है। यह तीन राज्यों से होकर गुजर रहा है। इसमें से छत्तीसगढ़ में 125 किमी सड़क 4 हजार 146 करोड़ रुपए में बनाई जा रही है। एनएचएआई ने सड़क का 80% निर्माण पूरा कर लिया है। कॉरिडोर बनने के बाद रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी कम हो जाएगी। अभी वहां जाने में 12 घंटे लगते हैं। 2026 में प्रोजेक्ट पूरा हो जाने पर वहां 7 घंटे में पहुंच सकेंगे।

बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से जोडऩे वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी के निर्माण को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने कुतुल से नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक 21.5 किलोमीटर हिस्से के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस सड़क के निर्माण के लिए न्यूनतम टेंडर देने वाले ठेकेदार से अनुबंध की प्रक्रिया शर्तों सहित पूरी करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा प्रमुख अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र रायपुर को दिए गए हैं। कुल तीन खंडों में निर्मित होने वाले 21.5 किलोमीटर सड़क के निर्माण हेतु लगभग 152 करोड़ रुपए न्यूनतम टेंडर दर प्राप्त हुई है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

ये कॉरिडोर 465 किमी लंबा है

रायपुर- विशाखापट्टनम कॉरिडोर की कुल लंबाई 465 किलोमीटर है, जिसका बड़ा हिस्सा बन चुका है। इसमें से छत्तीसगढ़ में 125 किमी, ओडिशा में 240 किमी और आंध्र में 100 किमी का निर्माण किया जाना है।

पहाड़ों को काटकर पहली टनल बनी

एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि पहाड़, जंगल के बीच से गुजरने वाली सिक्सलेन सड़क से यात्रा सुखद होगी। इनमें से 2.7 किमी लंबी टनल से गुजरना होगा। अभी बायीं तरफ टनल बन चुकी है। दायीं ओर टनल का काम जारी है।

"रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर का 80% बन चुका है। एक तरफ की टनल बन गई है। अप्रैल 2026 तक इसे पूरा करने का टारगेट है।"

-प्रदीप कुमार लाल, रीजनल ऑफिसर, NHAI

साप्ताहिक शहर सत्ता

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गंगा

कुतुल, नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित है और कुतुल से महाराष्ट्र सीमा पर स्थित नीलांगुर की दूरी 21.5 किलोमीटर है। यह नेशनल हाईवे 130-डी का हिस्सा है। इस सड़क का निर्माण टू-लेन पेव्ड शोल्डर सहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एनएच-130डी राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। यह एनएच-30 का शाखा मार्ग (स्पर रूट) है। यह कोण्डागांव से शुरू होकर नारायणपुर, कुतुल होते हुए नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक जाता है। आगे महाराष्ट्र में यह बिंगुंडा, लहरे, धोदराज, भमरगढ़, हेमा, लकासा होते हुए आलापल्ली तक पहुँचता है, जहाँ यह एनएच-353डी से जुड़ जाता है। इस मार्ग के विकसित होने से बस्तर क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ जाएगा और व्यापार, पर्यटन एवं सुरक्षा को बड़ी मजबूती प्राप्त होगी। नेशनल हाईवे 130-डी का कोण्डागांव से नारायणपुर तक का लगभग 50 किमी हिस्सा निर्माणाधीन है। नारायणपुर से कुतुल की दूरी 50 किमी है और वहाँ से महाराष्ट्र सीमा स्थित नीलांगुर तक 21.5 किमी की दूरी है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 195 किमी है, जिसमें से लगभग 122 किमी का हिस्सा कोण्डागांव-नारायणपुर से कुतुल होते हुए नीलांगुर तक छत्तीसगढ़ राज्य में आता है। इस सड़क के बन जाने से बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से सीधा और मजबूत सड़क संपर्क मिलेगा तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा सुलभ हो सकेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सहयोग से इस नेशनल हाईवे के अबूझमाड़ इलाके में स्थित हिस्से के लिए फॉरेस्ट क्लियरेंस और निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण का रास्ता खुल गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी केवल सड़क नहीं बल्कि बस्तर अंचल की प्रगति का मार्ग है। हमारी सरकार ने इस परियोजना को तेजी देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इस सड़क से बस्तर के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क न केवल छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को जोड़ेगी, बल्कि बस्तर अंचल के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी।

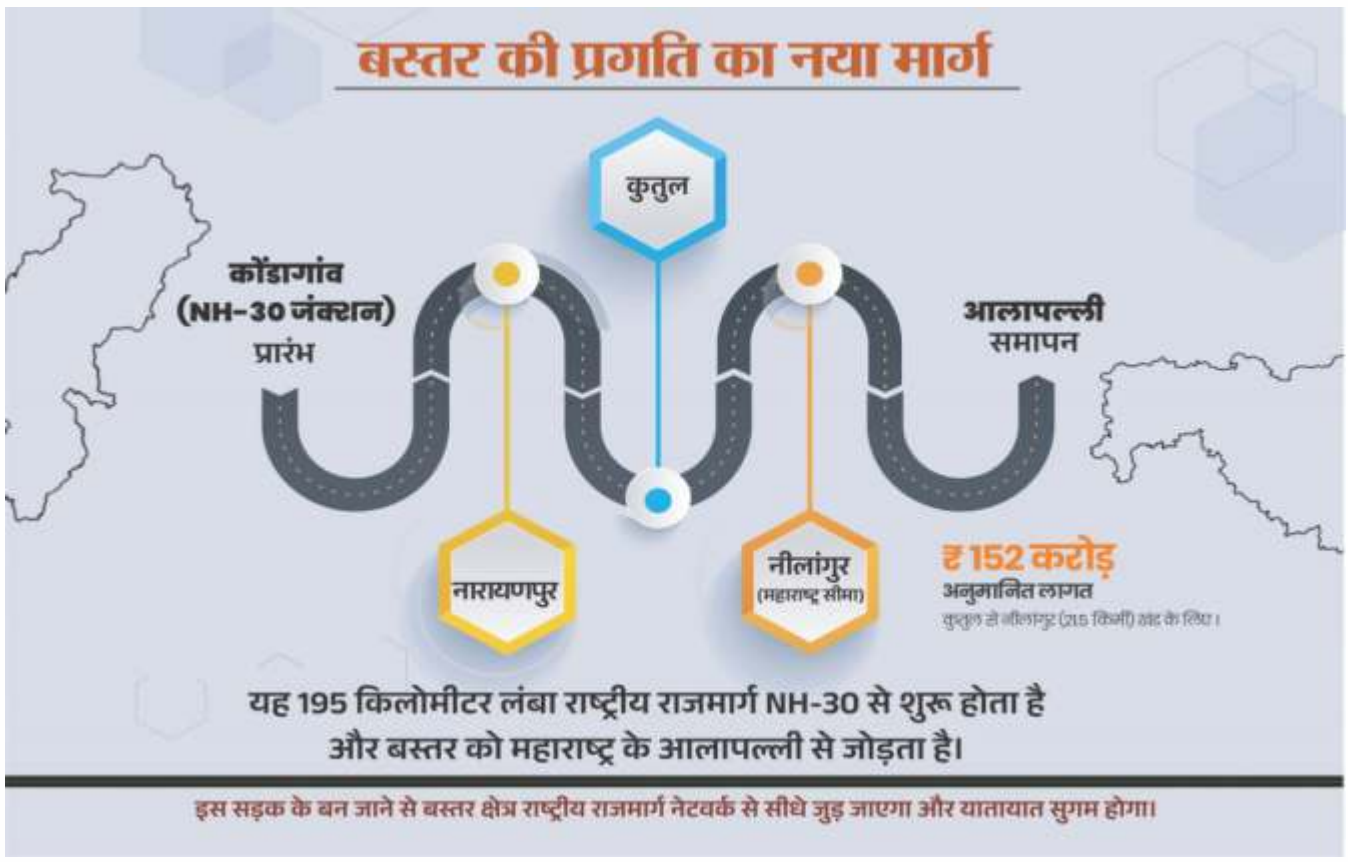

केशकाल पहाड़ियों से गुजरेंगे यात्री

केशकाल पहाड़ियों के अंदर से सुरंग बन रही है। यह दुधावा डैम के पास से होते हुए कांकेर केशकाल की पहाड़ियों तक जाएगी। आगे यह एक्सप्रेस-वे सलना-पलना के बाद ओडिशा में प्रवेश करेगा।

अभनपुर के पास भारतमाला प्रोजेक्ट की तस्वीर

सीएम ने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में दिखाई सख्ती

जनहित में चूक बर्दाश्त नहीं

राज्य एवं केन्द्र शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे

बस्तर संभाग के मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाया जाए

प्रभारी सचिवों और संभागीय आयुक्तों को योजना के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करने के निर्देश

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित योजनाओं पर मंथन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे

मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को बैंक फाइनेंस की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे। स्वास्थ्य सेवाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शत प्रतिशत प्रसव सभी अस्पतालों में सुनिश्चित हो। साथ ही टीकाकरण की वास्तविक स्थिति की फील्ड वेरिफिकेशन द्वारा पुष्टि की जाए। उन्होंने कहा कि मैटरनल डेथ ऑडिट प्रत्येक मामले में अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम की रणनीति बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआरसी सेंटरों का संचालन नियमित और प्रभावी होना चाहिए तथा माताओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने वेलनेस सेंटरों को सक्रिय कर गैर-संचारी रोगों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

धान खरीदी में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं सहेंगे

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे।

धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें।

अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

बस्तर संभाग में मलेरिया उन्मूलन पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने बस्तर संभाग में मलेरिया उन्मूलन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जाए ताकि छत्तीसगढ़ को "मलेरिया-मुक्त राज्य" बनाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत सभी पात्र वृद्धजनों के पंजीयन और कार्ड निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रॉपआउट शून्य करने और सकल नामांकन अनुपात को 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य किसी भी हालत में पूरा होना चाहिए।

शिक्षण सामग्री अलमारियों में नहीं, कक्षाओं में दिखनी चाहिए

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षण सामग्री अलमारियों में नहीं, कक्षाओं में दिखनी चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि शिक्षण संसाधनों का उपयोग कक्षा में सुनिश्चित करें और नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने बीजापुर जिले की सराहना करते हुए कहा कि वहाँ स्थानीय युवाओं की मदद से गोंडी भाषा में शिक्षण से बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है और ड्रॉपआउट घटा है। उन्होंने सभी जिलों को ऐसे नवाचार अपनाने की सलाह दी ताकि शिक्षा स्थानीय संस्कृति और भाषा से जुड़ सके।

आधार-बेस्ड APAR ID बनाकर रजिस्ट्रेशन

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 31 दिसंबर तक सभी विद्यार्थियों की आधार-बेस्ड APAR ID बनाकर रजिस्ट्रेशन पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था डिजिटल पारदर्शिता और छात्र लाभ वितरण में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसी आधार पर छात्रों को गणवेश, किताबें और छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में "मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान" चलाया जाएगा। इसमें स्कूलों का सामाजिक अंकेक्षण कर ग्रेडिंग होगी। उन्होंने कहा कि जिलों में परीक्षा परिणाम सुधार की ठोस योजना बने। जो जिले बेहतर कर रहे हैं, उनके मॉडल अन्य जिलों में लागू किए जाएँ।

साप्ताहिक शहर सत्ता

11 साल से वन ग्राम की फाइलें धूल फांक रही

राष्ट्रपति के 'दत्तक पुत्र' आज भी मूलभूत हकों से वंचित

अंबिकापुर। एक तरफ देश 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक ऐसा गांव है, जिसे देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 'दत्तक पुत्र' कहा था, लेकिन आज वो गांव जमीन के हक, जाति प्रमाण पत्र, और बच्चों की शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बात हो रही है बड़नी झरिया गांव की, जहां पंडो जनजाति के करीब 600 लोग रहते हैं। ये वही पंडो समुदाय है जिसे राष्ट्रपति ने न सिर्फ संरक्षण का वादा किया था, बल्कि 1952 में स्वयं खेती के औज़ार और बैल भेंट कर 'विकास' की पहली ईंट रखी थी। लेकिन आज, इस गांव की ज़मीन न तो इन लोगों की मानी जाती है, और न ही ये लोग सरकारी दस्तावेजों में 'पूरे नागरिक' हैं।

वन ग्राम की फांसी पर टंगी पूरी बस्ती

बड़नी झरिया आज भी एक "वन ग्राम" है यानी एक ऐसा गांव जो वन विभाग की जमीन पर बसा है, और जहां के निवासी अपनी ज़मीन के कानूनी मालिक नहीं हैं। यहां की पूरी जमीन एक ही खसरा नंबर में दर्ज है। इसका नतीजा ये है कि न तो रजिस्ट्री हो सकती है, न जमीन का बंटवारा, और न ही बच्चों को स्कूल/कॉलेज में दाखिला लेने या स्कॉलरशिप पाने के लिए जरूरी जाति प्रमाण पत्र मिल सकता है।

11 साल से "प्रक्रिया में है"

2012 में इस गांव को राजस्व ग्राम में बदलने की घोषणा की गई थी। 2014 से विभागीय कार्रवाई शुरू हुई, और अब तक 9 साल हो चुके हैं, लेकिन नतीजा शून्य। न तो जमीन का मालिकाना हक मिला, न ही बच्चों को जाति प्रमाण पत्र।

राज्य सरकार की 'क्लासिक देरी': 199 आपत्तियां अब तक नहीं निपटीं

बड़नी झरिया और खैरबार दो ऐसे गांव हैं जहां सर्वे पूरा हो चुका है। लेकिन नोडल अधिकारी स्मिता अग्रवाल के अनुसार, 199 दावा-आपत्तियां अब भी लंबित हैं। अधिकारी मानते हैं कि प्रक्रिया जटिल है — एक-एक खसरा नंबर, नक्शा, और 'निस्तार भूमि' का मिलान जरूरी है।

लेकिन सवाल है – क्या 11 साल की देरी सिर्फ तकनीकी वजहों से हुई है?

छत्तीसगढ़ में अब भी 420 वन ग्राम हैं जिन्हें राजस्व ग्राम में बदला जाना है। जबकि 428 गांव पहले ही बदल दिए गए हैं। वन अधिकार अधिनियम 2006 की धारा 3(1)(j) के तहत ये संभव है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक गति की कमी इसका सबसे बड़ा कारण है।

"बेटे कॉलेज जाते हैं, जाति प्रमाण पत्र मांगते हैं, हम खाली हाथ लौटते हैं"
– देव शरण राम पंडो, ग्रामीण

"हम राष्ट्रपति के वंशज हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में हमारे पास कुछ भी नहीं है"
– नरेश पंडो, पूर्व सरपंच

'पुष्पा-स्टाइल' में सागौन की तस्करी

कर्मियों ने नदी में छलांग लगाकर लकड़ी किया बरामद

उदंती-सीता अभयारण्य में सागौन तस्करों के खिलाफ वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है. ओडिशा से जुड़े तस्कर लंबे समय से 'पुष्पा-स्टाइल' में सागौन की तस्करी कर रहे थे. वे नदी के बहाव का फायदा उठाकर लकड़ियों को बहा देते थे, जिन्हें आगे जाकर सिंदूरशील और सुनाबेड़ा घाट पर निकाल लिया जाता था. लेकिन इस बार वन विभाग की सजगता से उनका यह नया तरीका भी नाकाम हो गया. अभयारण्य के उपनिदेशक वरुण जैन को कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि दक्षिण उदंती इलाके में तस्कर नदी के रास्ते सागौन लकड़ी भेज रहे हैं. इस पर विभाग ने गुप्त रणनीति बनाते हुए इलाके में घेराबंदी की. जब तस्करों ने टीम को आता देखा तो वे मौके से भाग निकले, लेकिन विभाग के कर्मियों ने साहस दिखाते हुए नदी में छलांग लगाकर सागौन के लठ्ठों को बरामद कर लिया. बताया गया है कि तस्कर चार-चार लठ्ठों को जोड़कर नदी में बहाते थे, ताकि वे बहाव के साथ ओडिशा सीमा तक पहुंच जाएं. वन विभाग की टीम ने इस तरकीब को विफल कर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया.

2 साल में पकड़े गए 80 तस्कर

बता दें कि पिछले दो वर्षों में उदंती-सीता अभयारण्य प्रशासन ने ओडिशा के तस्करों के खिलाफ 20 से अधिक सफल ऑपरेशन चलाए हैं, जिनमें करीब 80 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं. लाखों रुपए की कीमती लकड़ी जब्त की गई है और 50 से ज्यादा वन्यजीव तस्करों पर भी कार्रवाई हुई है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: एक दिन में 139 प्रकरण दर्ज, 144 गिरफ्तार

रायपुर। ऑपरेशन 'निश्चय' के तहत रायपुर रेंज पुलिस ने मादक पदार्थ, अवैध शराब और हथियार तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। रायपुर रेंज पुलिस ने आज एक व्यापक संयुक्त कार्रवाई के तहत रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाज़ार-भाटापारा, धमतरी और गरियाबंद जिलों में एक साथ दबिश दी। अभियान का नेतृत्व पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज के निर्देशन में किया गया। इस अभियान में कुल 139 प्रकरण दर्ज, 144 आरोपी गिरफ्तार, और भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई।

अभियान के प्रमुख परिणाम:

एनडीपीएस अधिनियम: 31 प्रकरण, 36 आरोपी, 17.104 किलो गांजा जप्त। साथ ही 890 प्रतिबंधित टैबलेट, 48 एम्पूल और 16 सिरिंज बरामद।

आबकारी: 95 प्रकरण, 95 आरोपी, 780.920 लीटर अवैध शराब जब्त।

आर्म्स एक्ट: 13 प्रकरण, 13 आरोपी; 1 देसी रिवॉल्वर, 2 कारतूस, 5 चाकू जप्त।

वारंट तामिल: 5 गिरफ्तारी वारंट और 12 स्थायी वारंट निष्पादित।

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई: 70 व्यक्तियों पर कार्रवाई।

मशहूर बाघिन बिजली ने तोड़ा दम

रायपुर। जंगल सफारी से इलाज के लिए गुजरात भेजी गई बीमार बाघिन बिजली की मौत हो गई है. 7 अक्टूबर को उसे ट्रेन से वनतारा जामनगर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड केयर सेंटर भेजा गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. बाघिन बिजली की उम्र 8 साल की थी. वह जंगल सफारी में पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी. यूट्रस और ओरल में इन्फेक्शन था. उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रेन से वनतारा भेजा गया. जहां उसका एक महीने तक इलाज चलना था. लेकिन वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू रिहैबिलिटेशन सेंटर में बाघिन बिजली की मौत हो गई. वनतारा ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी पोस्ट जारी कर दी. जानकारी के अनुसार, बिजली की तबीयत पिछले कुछ समय से लगातार बिगड़ रही थी. जिसके बाद उसे इलाज के लिए जामनगर के वन्तारा रेस्क्यू सेंटर भेजा गया था।

केबीसी में सम्मानित हुए पत्रकार रोमशंकर यादव

प्रभावित हुए अभिताभ बच्चन

रायपुर। सदी के महानायक अभिताभ बच्चन द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण कार्यकर्ता और छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण से सम्मानित पत्रकार रोमशंकर यादव को कौन बनेगा करोड़पति के मंच में सम्मानित किया गया है. केबीसी के इस सीजन में पूरे भारत वर्ष से 10 लोगों का फोर्स फॉर गुड हीरोस के रूप में चयन किया है, इनमें से एक रोमशंकर का नाम भी शामिल है. इस दौरान 27 वर्षो से पर्यावरण के लिए किए जा रहे कार्य के लिए रोमशंकर को आदित्य बिरला ग्रुप की ओर से फोर्स फॉर गुड हीरोस के रूप में अभिताभ बच्चन ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया. साथ ही एक्टर ने केबीसी के मंच से रोमशंकर द्वारा जन्मदिन, मांगलिक अवसरों पर पौधरोपण व पौधे भेंट करने चलाए जा रहे मुहिम की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्टर ने स्वयं भी इसे आगे बढ़ाने का ऐलान किया है.

बता दें कि अभिताभ बच्चन ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए वे स्वयं भी अब रोमशंकर यादव की तरह अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करेंगे और लोगों को मांगलिक अवसरों पर पौधे भेंट करेंगे. अमिताभ द्वारा पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा को लेकर पूछे गए सवाल पर यादव ने कहा कि उन्हें वैसे बचपन से पेड़ पौधों से लगाव रहा है, लेकिन वे पर्यावरण की रिपोर्टिंग करते-करते पर्यावरण कार्यकर्ता बने हैं. वे पर्यावरण प्रेमी स्व गैंदलाल देशमुख और मरौदा डेम के आसपास पेड़ों की कटाई पर लगातार रिपोर्ट लेखन कर रहे थे, तब उन्हें लगा कि एक बुजुर्ग स्व-गैंदलाल देशमुख ने स्वयं पौधे रोपकर 5 एकड़ बंजर जमीन को जंगल बना दिया. वहीं दूसरी ओर ग्राम डुन्डेरा व मरौदा डेम के आसपास बीएसपी द्वारा 18 करोड़ की लागत से लगाए गए 10 लाख पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही थी, रोज यहां हजारों की संख्या में पेड़ कांटे जा रहे थे, तब लगा कि एक बुजुर्ग बंजर को जंगल बना सकता हैं, तो वे युवा होकर अपने पास पहले से मौजूद जंगल को क्यों नहीं बचा सकते. जिसके बाद फिर उन्होंने यहीं से मरौदा डेम के आसपास लगे पेड़ों को बचाने मुहिम शुरू कर दी. उनकी इस मुहिम में ज्ञानप्रकाश साहू, प्रेमनारायण वर्मा, सरोज साहू, राजेश चंद्राकर, विश्वकुमार साहू सहित अनेक युवा जुड़ गए. जिन्हें लेकर उन्होंने हितवा संगवारी नामक संगठन बनाया और तब से अब तक यहाँ लगाए लगभग साढ़े छः लाख पेड़ों को कटने से बचा कर रखे हैं।

अवैध पान मसाला फैक्ट्री का पर्दाफाश

धमतरी। धमतरी में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पान मसाला मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने रूद्री स्थित गोदाम और मकान में छापेमारी कर मौके से पान मसाला बनाने की मशीन, कच्चा माल, तैयार पाउच, मोबाइल फोन और कुल 13 लाख 41 हजार 555 रुपए का सामान जब्त किया है. यह कार्रवाई एसपी सूरज सिंह परिहार के निर्देश पर की गई, जिसमें खाद्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे. पुलिस ने ग्राम शकरवारा, थाना रुद्री स्थित गोदाम और मकान में दबिश देकर आरोपी प्रहलाद मूलवानी (49 वर्ष), निवासी सिहावा चौक, धमतरी को गिरफ्तार किया. जांच में पता चला कि आरोपी बिना अनुमति के 'आशिकी' नामक पान मसाला का अवैध निर्माण और भंडारण कर रहा था. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 46/2025 धारा 318 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है. आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है. धमतरी पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध व्यापार, मादक पदार्थ और जनस्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले उत्पादों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है. इस कार्रवाई को इसी कड़ी में बड़ी सफलता माना जा रहा है.

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

सहाफ़ी हो गुंडे नहीं

एक वक्त था जब तालिबान और हिंदुस्तान के रिश्ते खतरनाक थे। खुशकिस्मती से आज दोनों गलबहियां पा रहे हैं। दुनियाबी रिश्तों का एक वाक़या फ़िलहाल सहाफ़ी और नौकरशाहों के बीच तल्खियां बढ़ा रहा हैं। सूबा-ए-नौकरशाही में सहाफ़ी की मुश्कें अफसर के हाथों और अफसर के गिरेबान तक सहाफ़ी का शिकंजा कसता जा रहा है। खबर नवीसों की गर्दन से लेकर रोजी-रोटी तक फ़िलहाल सरकार के एक महकमा-ऐ-खास के रहमो करम पर है। एक वक्त था जब दोनों के रिश्ते बेहद पाक-साफ़ थे। कमोबेश पूरा महकमा बना ही खबर नवीसों के लिए था। दोनों साथ बैठते थे, घूमते थे, खाते-पीते भी थे। हालांकि ये सब अब भी होता है लेकिन महकमे को गुमान हो गया है और सहाफियों की जगह अब अखबार के मालिक और चंद नामचीन सम्पादकों से उनका राफ्ता है।

बिरादरी से रंग भेद मिटा तो ऊंच-नीच का पैमाना अब लबरेज होकर छलकने लगा है। फ़िलहाल सहाफ़ी भी जबरदस्ती में उतारू हैं तो नौकरशाह भी खुद को कंट्रोल नहीं कर पा रहे। तुर्रा यह कि खुद को रहमते देने वाला समझने का मुग़ालता पाले अफसर किसी से मां तो किसी से मौसी वाली मोहब्बतें कर रहे हैं। छोटे-बड़े की खाइयां इतनी गहराती जा रही हैं कि जैसे उनकी जेब से वो खर्च रहे हैं। नियम, कायदे और नवाज़िशों की बौछार करने वाले नौकरशाहों को यह गलत गुमानी है कि अख़बार और सहाफी छोटे-बड़े होते हैं।

वैसे ही खुशफ़हमी अख़बार मालिक, खबर नवीसों को भी हैं कि उनका लिखा ब्रम्ह वाक्य है। रोजी-रोटी और दादागिरी के इस तमाशे में एक सच्चाई जरूर सामने आई है कि जद्दोजहद तो हाथापाई की नौबत तक आ पहुंची है। हालांकि सरकार इससे ख़बरदार है। नौकरशाही का पलड़ा भी भरी है और अख़बार वाले की माज़ी में की गई हरकत उसके खिलाफ है। महकमें में चल रहे दलाल स्ट्रीट की भी खबरें हैं और माथा देख कर तिलक लगाने वाले अफसरों की चर्चा भी है। अब पूरी सहाफ़ी बिरादरी और अख़बारों पर अपनी नवाज़िशों की बारिश करने वाले नौकरशाहों को यह इल्म हो जाना चाहिए कि दोनों एक साथ चलेंगे या यूं ही लोफ़री करते रहेंगे।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ल शांति के नोबल पुरस्कार नइ मिलिस काहत हें जी भैरा.

-मरकनहा गोल्लर बरोबर चारों मुड़ा हुँकरत बकबकावत रहिथे तेला कहाँ ले शांति के नोबेल मिलही जी कोंदा.. हाँ भई कहूँ मरकनहा मन बर घलो एको पुरस्कार होतीस त जरूर वोला मिल जातीस.

-तभो ले पाकिस्तान संग आठ देश वाले मन वोकर नॉव के समर्थन करे रिहिन हें.. वो देश वाले मन तो शोक मनावत होहीं?

-अब वो मन कुछू मनावँय.. फेर ए बछर वेनेजुएला के विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो ल नोबेल शांति पुरस्कार मिलिस हे ते ह मोला गजब निक लागिस.. मारिया मचाडो ह गजब बेरा ले अपन देश के सत्तावादी राष्ट्रपति के खिलाफ लोकतांत्रिक आन्दोलन के अगुवाई करत हे.

-सही आय संगी.. नोबेल समिति ह वोकर नॉव के घोषणा करत "हम बहादुर मन के सम्मान करथन" कहिस ते ह मोला गजबे सुग्घर लागिस.. पूरा दुनिया म अइसन बहादुर मन के सम्मान होना चाही.

-सही आय जी बहादुर मन के सम्मान होना चाही, गुंडा-मवाली मन के नहीं.

चुनाव में छोटे दलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण

संजय कुमार

भले अभी तक यह कोई नहीं जानता कि बिहार में कितने दल विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, लेकिन हम 2020 के मुकाबले इस बार मैदान में बहुत अधिक दलों को देखें तो इसमें अचम्भे की बात नहीं। 2020 में 211 दलों ने हिस्सा लिया था। इस बार प्रशांत किशोर की चर्चित जन स्वराज पार्टी के अलावा तेज प्रताप यादव की जनशक्ति जनता दल, आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी और पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे की हिन्द सेना पार्टी जैसे नवगठित दल भी चुनाव में उतर सकते हैं।

बिहार चुनाव में राजनीतिक दलों की संख्या बढ़ने के दो कारण हैं। पहला कारण तो साफ है। पार्टी टिकट पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार की जीत की संभावना निर्दलीय प्रत्याशी से कहीं अधिक होती है। अंततः, उम्मीदवार जीतने के लिए ही चुनाव लड़ते हैं और यही कारण है कि वे पार्टी टिकट पाने के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं।

दूसरा कारण इतना सहज नहीं। भले कोई बिहार चुनाव को द्विध्रुवीय मान रहा हो, लेकिन असल में यह दो राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि दो गठबंधनों के बीच द्विध्रुवीय मुकाबला है। और हम जानते हैं कि गठबंधनों में छोटे क्षेत्रीय दलों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उम्मीदवारों की बड़ी ख्वाहिश होती है कि वे किसी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ें, क्योंकि निर्दलीय प्रत्याशी की जीत की संभावना सिर्फ बिहार ही नहीं, दूसरे राज्यों में भी बहुत कम होती है। 1977 से अब तक बिहार चुनाव के आंकड़े बताते हैं कि उस चुनाव में बहुत कम निर्दलीय ही निर्वाचित हो पाए। 1977 में 324 सदस्यीय विधानसभा में महज 24 यानी (7.4%) निर्दलीय ही जीतकर आए।

2020 में तो चकाई सीट से सिर्फ सुमित कुमार सिंह ही एकमात्र निर्दलीय विधायक बने। 2015 का चुनाव भी ऐसा ही था, जब 243 में से 4 ही निर्दलीय विधायक निर्वाचित हुए। यहां यह ध्यान रखना होगा कि बिहार से झारखंड राज्य के अलग होने के बाद बिहार विधानसभा की सदस्य संख्या 243 रह गई थी। 1977 से अब तक 1990 का चुनाव ही ऐसा रहा था, जब 324 सदस्यीय बिहार विधानसभा में सर्वाधिक 30 निर्दलीय जीत कर आए थे। बिहार के चुनावी अखाड़े में राजनीतिक दलों की लगातार बढ़ती संख्या का एक अन्य कारण यह भी है कि छोटे क्षेत्रीय दल भाजपा, कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों और जदयू, राजद जैसे प्रमुख क्षेत्रीय दलों की चुनावी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 1995 के बाद से हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों के परिणामों पर सावधानी से गौर करें तो पता चलता है कि वास्तव में बिहार के चुनावों में दो गठबंधनों के बीच ही द्विध्रुवीय टक्कर होती है, ना कि दो राजनीतिक दलों के बीच। 2020

का पिछला विधानसभा चुनाव ही देखें तो चार प्रमुख राजनीतिक दलों में से राजद को 23.1% , भाजपा को 19.5%, जदयू को 15.4% और कांग्रेस को 9.5% वोट मिले थे। जबकि छोटे क्षेत्रीय दलों ने कुल मिलाकर 23.9% वोट हासिल कर लिए थे। इनमें से कुछ एनडीए और कुछ महागठबंधन के सहयोगी थे। प्रमुख राजनीतिक दलों और छोटी क्षेत्रीय पार्टियों द्वारा हासिल किए गए मतों की बात करें तो 2015 का चुनाव भी थोड़ा अलग था। भाजपा ने सर्वाधिक 24.4% वोट हासिल किए। इसके बाद राजद को 18.4%, जदयू को 16.8% और कांग्रेस को 6.7% वोट मिले।

2010 के विधानसभा चुनाव परिणाम में अंतर केवल यही था कि तब जदयू 22.6% वोट लेकर चुनावी दौड़ में सबसे आगे थी। उसके बाद राजद ने 18.8%, भाजपा ने 16.5% और कांग्रेस ने 8.4% वोट हासिल किए। इन सभी चुनावों में छोटे क्षेत्रीय दलों ने कुल वोटों का 20-24% हिस्सा हासिल किया था। बिहार के विभाजन से पहले 1995 और 2000 में हुए विधानसभा चुनाव में छोटे क्षेत्रीय दलों को और भी अधिक समर्थन मिला था। 1995 के चुनाव में तो छोटे क्षेत्रीय दलों को 28.9% वोट मिले, जबकि 2000 में इन दलों ने 28.1% वोट प्राप्त किए। बिहार में बड़ी संख्या में मौजूद छोटे क्षेत्रीय दल अकेले भले ही अधिक तादाद में सीटें न जीतें, लेकिन एक ऐसे राज्य में जहां गठबंधन चुनावी मॉडल बन चुका है, इन छोटे क्षेत्रीय दलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये बड़े दलों के बिखरे हुए वोटों को उनके पक्ष में लाने में मदद करते हैं, ताकि एक मजबूत समर्थन आधार तैयार किया जा सके। यह बताता है कि बिहार के चुनावी मुकाबले में राजनीतिक दलों की संख्या क्यों बढ़ रही है।

भले कोई बिहार चुनाव को द्विध्रुवीय मान रहा हो, लेकिन असल में यह दो राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि दो गठबंधनों के बीच द्विध्रुवीय मुकाबला है। और गठबंधन में छोटे क्षेत्रीय दलों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। **(ये लेखक के अपने विचार हैं।)**

आप 'अपने रूप' में ही सबसे ज्यादा दमकते हैं

एन. रघुरामन

पिछले रविवार शाम 6 बजे स्वामीमलै में भगवान कार्तिकेय (भगवान गणेशजी के भाई) के दर्शन के बाद मैं उमायलपुरम् की ओर पैदल जा रहा था, जहां अगले दिन एक पारिवारिक कार्यक्रम होना था। चूंकि यह दूरी 4 किलोमीटर से भी कम थी, इसलिए मैंने पैदल ही चलकर रास्ते की शांतिपूर्ण हरीतिमा का आनंद लेने का फैसला किया।

आमतौर पर दक्षिण भारत में शाम 6 बजे तक सूरज ढल जाता है और मुझे पूरा विश्वास था कि मैं 6.30 बजे तक अपनी यात्रा पूरी कर लूंगा, क्योंकि तब तक घना अंधेरा छा जाता है। लेकिन कुछ अप्रत्याशित हुआ। अचानक पूरे इलाके में अंधेरा छा गया, मानो किसी ने रंग-बिरंगे खिलौनों से खेलते हुए किसी बच्चे पर एक काला कम्बल डाल दिया हो। और जोरदार बारिश भी शुरू हो गई। आस-पास कोई आश्रय न होने के कारण मैं थोड़ी दूर एक बस स्टैंड तक पैदल गया और इस दौरान आधा भीग गया। मेरा विचार यह था कि अगली बस पकड़कर मैं पांच मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच जाऊंगा।

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। कांक्रीट का एक लैंप पोस्ट उखड़कर सड़क पर गिर गया और बत्ती गुल हो गई। इसी के साथ मेरी बस यात्रा की योजना भी धरी की धरी रह गई क्योंकि कोई भी बस उस लैंप पोस्ट को पार करके आगे नहीं बढ़ सकती थी। इधर बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। मंदिर पहुंचे मेरे रिश्तेदारों ने मुझे फोन करके पूछा कि मैं कहां रह गया हूं। उन्होंने मुझे बताया कि मंदिर परिसर में भी पानी भर गया है। अभी तो मुझे उसकी कोई चिंता नहीं थी, क्योंकि मेरे आस-पास बारिश का पानी खेतों में खड़ी धान के पैरों (जड़ों) को धोने के लिए भागे चला जा रहा था। मेरे रिश्तेदारों ने वापसी में मुझे साथ लेने का वादा किया।

तभी एक आदमी बस स्टॉप पर आया। वह भीगा हुआ था और एक बड़ा, जीर्ण-शीर्ण बैग लिए हुए था। 'अन्ना' (तमिल में बड़ा भाई)- उसने कहा। उसकी आवाज में विनम्रता और आशा थी। जब मैंने मोबाइल स्क्रीन से नजरें उठाईं, तो उसकी मुस्कान देखकर मैं दंग रह गया।

एक दांत गायब होने के बावजूद उसके चेहरे से गर्मजोशी झलक रही थी। इसने मेरे आस-पास की ठंड को पिघला दिया। उसने आगे कहा, 'क्या यहां कोई चाय की दुकान है?' मैंने कहा, 'मुझे नहीं लगता।' तभी एक गीला कुत्ता दौड़ता हुआ आया और उसने इतनी जोर से अपने शरीर को हिलाया कि मैं उससे दूर हो गया। लेकिन उस आदमी ने कुछ अलग किया। उसके बैग की बाहरी जेब में एक कपड़ा था। उसने उससे बस स्टैंड की सीमेंट की बेंच का एक छोटा-सा हिस्सा पोंछा और कपड़े को ऐसे फैलाया, जैसे वह उस पर बैठना चाहता हो। लेकिन कुत्ता उस पर कूद पड़ा और अपना चेहरा व शरीर उससे पोंछने लगा, मानो उसे खुद को सुखाने का निमंत्रण दिया गया हो। उस आदमी ने अपने बैग के अंदर से मुड़ी हुई और इस्तेमाल की हुई एल्युमीनियम फॉइल में लिपटे कुछ बन निकाले। इससे मुझे तुरंत एहसास हुआ कि वह गरीब है और दूसरों की दयालुता पर आश्रित है। लेकिन उसकी उदारता ने मेरा दिल जीत लिया।

मैंने उससे पूछा, 'क्या यह तुम्हारा पालतू जानवर है?' उसने कहा हर आवारा जानवर उसका पालतू है और वह उनके साथ अपनी जगह और खाना बांटने में विश्वास रखता है, क्योंकि उन्हें भी उसके ईश्वर ने ही बनाया है। मुझे लगा उसने बहुत गहरी बात कही है। तभी मेरे रिश्तेदार आ गए। उन्होंने मुझे गाड़ी में बैठने को कहा। मैंने पूछा उनके पास खाने के लिए क्या है। उन्होंने मुझे मंदिर का प्रसाद दिया, जो एक बार के खाने के लिए काफी था। उसे मैंने उस व्यक्ति को दे दिया। हमारी नजरें मिलीं।

उसकी आंखों ने मुझे केवल शुक्रिया ही नहीं कहा, बल्कि यह भी कहा कि 'देखो, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि अगर अपना खाना ईश्वर की किसी कृति के साथ साझा करोगे, तो बदले में भोजन मिलेगा?' मैं बस सहमति में मुस्कराया। लेकिन वहां से जाने से पहले उसके हाथों में कुछ नोट थमा दिए, क्योंकि मुझे पता है कि वह उन पैसों से किसी भूखे की भूख भी मिटाएगा। फंडा यह है कि जब आप अपने स्वरूप में स्थित होते हैं, तो आप उस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ होते हैं और फिर आपके पास चाहे जितनी सम्पत्ति न हो, लेकिन आप अपने उसी रूप में सबसे ज्यादा दमकते हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

मारिया कोरिना मचाडो को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

हाथ मलते रह गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, सपना चकनाचूर

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिला है। डोनाल्ड ट्रंप बार बार नोबेल पुरस्कार के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे। वो 'सात युद्ध' में शांति करवाने का दावा करते आ रहे थे। लेकिन बावजूद इसके उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं दिया गया है। इस बार का शांति का नोबेल पुरस्कार मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है, जो वेनेज़ुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए ये बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि नोबेल पुरस्कार के लिए उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में क्या नहीं किया है, उन्होंने हर युद्ध में खुद को शांति करवाने वाला मसीहा बताया है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी शांति करवाने के लिए मध्यस्थता करने का दावा किया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। हालांकि पाकिस्तान ने उनकी भावना को स्वीकार करते हुए उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान के अलावा इजरायल ने भी डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया था। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिल पाया। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 इस बार वेनेज़ुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने कहा कि यह सम्मान उन्हें वेनेज़ुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके "अथक संघर्ष" और देश को तानाशाही से लोकतंत्र की ओर ले जाने के प्रयासों के लिए दिया गया है। मचाडो ने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की ज्योति जलाए रखी और निरंकुश शासन के खिलाफ शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखा। समिति ने उन्हें लैटिन अमेरिका में "नागरिक साहस की असाधारण मिसाल" बताया है। एक समय पर विभाजित विपक्ष को एकजुट कर उन्होंने वेनेज़ुएला में "स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव" की मांग को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया।

इन वजहों से चूके ट्रंप

ट्रंप की शांति विरोधी विदेश नीति: शांति पुरस्कार से उन लोगों को सम्मानित किया जाता है जो राष्ट्रों के बीच बंधुत्व को बढ़ावा देते हैं। ट्रंप का रिकॉर्ड अक्सर इसके विपरीत होता था। उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से नाता तोड़ लिया, डब्ल्यूएचओ से हट गए, हथियार नियंत्रण संधियों को तार-तार कर दिया और सहयोगियों पर टैरिफ युद्ध छेड़ दिया। उन्होंने नाटो का मजाक उड़ाया, संयुक्त राष्ट्र को छोटा किया और कूटनीति को ब्रांडिंग तक सीमित कर दिया।

अनावश्यक कोशिश: नोबेल समिति खुलेआम चुनाव प्रचार से नफरत विरोध करती है। समिति का विचार है कि मान्यता दी जाती है, मांगी नहीं जाती। इसके विपरीत ट्रंप ने इस पुरस्कार को एक मिशन की तरह ले लिया। उन्होंने सहयोगियों से पैरवी कराई, विदेशी नेताओं पर उन्हें नोमिनेट करने के लिए दबाव डाला।

ओबामा से तुलना करना पड़ा भारी : ओबामा को 2009 का नोबेल पुरस्कार मिला, जो उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के सिर्फ आठ महीने बाद मिला। उनके प्रति ट्रंप की आसक्ति ने तब से उनके प्रयासों को परिभाषित किया है। हर शिखर सम्मेलन, हाथ मिलाना और सौदे को इस बात का सबूत बताया गया कि उन्होंने ओबामा से "ज़्यादा" किया है। लेकिन नोबेल समिति बदले की कार्रवाई को बढ़ावा नहीं देती।

चिदंबरम के बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'गलत तरीका' बताने के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर तीखा हमला करते हुए इस सैन्य कार्रवाई को 'राजनीतिक दुस्साहस' करार दिया है। चिदंबरम ने यह टिप्पणी हिमाचल प्रदेश के कसौली में आयोजित खुशवंत सिंह लिटरेरी फेस्टिवल 2025 के दौरान की। वे पत्रकार हरिंदर बावेजा की किताब 'दे विल शूट यू, मैडम' पर एक चर्चा का संचालन कर रहे थे। इसी चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलत तरीका था और इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। चिदंबरम ने यह भी कहा कि यह निर्णय अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था, बल्कि सेना, पुलिस, खुफिया एजेंसियों और प्रशासन का सामूहिक फैसला था। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी को पूरी तरह दोष देना सही नहीं है।

इटली में बुर्का और नकाब पर बैन की तैयारी

रोम। इटली की जॉर्जिया मेलोनी सरकार देश भर में बुर्के पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। इटली की सत्तारूढ़ पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली ने कहा है कि वह देश भर के सभी सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का और नकवाब से चेहरा और शरीर ढकने पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। पार्टी ने इसे इस्लामी अलगाववाद के विरुद्ध एक विधेयक बताया है। विधेयक के योजनाकारों में एक माने जा रहे सांसद एंड्रिया डेलमास्त्रो ने बुधवार को एक फेसबुक पोस्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा, धार्मिक स्वतंत्रता पवित्र है, लेकिन इसका प्रयोग खुलेआम हमारे संविधान और इटली राज्य के सिद्धांतों का पूरा सम्मान करते हुए किया जाना चाहिए।

देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड! उत्तर भारत में सर्दी की जल्दी एंट्री

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रह रहे लोग अब सुबह-सुबह ठंड की आहट महसूस करने लगे हैं। पार्क से लेकर सुबह ऑफिस जाने वाले लोग, स्कूल जाने वाले बच्चे भी ठंड की दस्तक के गवाह बन रहे हैं। खास बात है कि हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। दिल्ली और उत्तरी मैदानी इलाकों में भी हाल के दिनों में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। ऐसे में इस साल देश में सर्दी का मौसम सामान्य से पहले आने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह श्रीनगर में निर्धारित समय से काफी पहले बर्फबारी हुई, जबकि जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में भी मध्यम से भारी वर्षा हुई। इससे हवा में ठंडक बढ़ गई। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में पूरे सप्ताह बर्फबारी जारी रही। मौसम विज्ञानी मौजूदा मौसमी गतिविधियों और आगामी मौसमी रुझानों का श्रेय मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट के कारण विकसित हो रही ला नीना स्थितियों को दे रहे हैं।

सर्दियों का ला नीना इफेक्ट क्या है?

ला नीना ही वह घटना जो भारत में जल्दी सर्दियां ला सकती है। ला नीना, व्यापक अल नीनो दक्षिणी दोलन (ENSO) का एक चरण है, जो एक जलवायु परिघटना है। यह मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र के तापमान में परिवर्तन के साथ-साथ वायुमंडल में उतार-चढ़ाव के बारे में है।

इजरायल-हमास के बीच सीजफायर

पहले चरण में 48 बंधक और 2000 कैदी होंगे रिहा

नई दिल्ली। इजरायल और हमास के बीच दो साल से चल रही जंग के बाद शनिवार को गाजा में सीजफायर लागू है। यह समझौता अमेरिका, अरब देशों और तुर्की के दबाव में हुआ। इस लंबे युद्ध ने गाजा को तबाह कर दिया, दसियों हजार लोगों की जान ली और इजरायल को अकेला कर दिया। समझौते के पहले चरण में हमास बाकी बचे बंधकों की रिहाई करेगा और बदले में इजरायल 2 हजार फलिस्तिनियों को छोड़ेगा, जिनमें सैकड़ों कैदी और युद्ध के दौरान पकड़े गए लोग शामिल हैं।

पीछे हटी इजरायली सेना

शुक्रवार दोपहर से युद्धविराम प्रभावी हुआ। इजरायली सेना ने कहा कि उसने गाजा सिटी, खान यूनिस और अन्य इलाकों से पीछे हटकर तय की गई सीमाओं पर लौट आई है। हालांकि, रफा और गाजा के उत्तरी हिस्सों में अब भी इजरायली सैनिक तैनात हैं। सोमवार तक हमास 48 बंधकों को छोड़ेगा, जिनमें लगभग 20 जीवित बताए जा रहे हैं। बदले में इजरायल 2 हजार कैदी छोड़ेगा। हमास ने अब तक कहा है कि वह तभी आखिरी बंधकों को छोड़ेगा जब इजरायली सेना पूरी तरह से गाजा से बाहर जाएगी।

ट्रंप ने हमास को दी है गारंटी

ट्रंप ने हमास को पूर्ण वापसी की गारंटी दी है, हालांकि यह कितने समय में होगा ये अभी तय नहीं है। ट्रंप की 20 सूत्री योजना के मुताबिक, इजरायल गाजा की सीमा पर एक छोटा बफर जोन बनाए रखेगा और मिस्र की सीमा वाले फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर नियंत्रण जारी रखेगा। साथ ही, अरब देशों की अगुवाई में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल गाजा में तैनात किया जाएगा। हमास ने 2007 से गाजा पर शासन किया है।

दुर्गापुर में MBBS स्टूडेंट से गैंगरेप केस में तीन पकड़ाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में हुए गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है, जबकि पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की खोज में लगी हुई है. यह घटना पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में हुई, जहां एक निजी मेडिकल कॉलेज की दूसरी साल की छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया. पीड़िता मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली है. पश्चिम बंगाल पुलिस ने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस के पोस्ट को साझा करते हुए कहा था कि दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ शुक्रवार देर रात कॉलेज परिसर के बाहर हुए यौन उत्पीड़न की घटना से वे बेहद दुखी हैं. पुलिस ने आश्वस्त किया कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी. उन्होंने कहा कि पीड़िता का दर्द जितना ओडिशा का है, उतना ही हमारा भी है और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी. पुलिस ने बताया कि रातभर जंगल में सर्च ऑपरेशन किया गया और मोबाइल नेटवर्क ट्रैकिंग से तीन संदिग्धों को पकड़ लिया गया।

58 पाक सैनिक ढेर, अफगानिस्तान ने किया 25 चेक पोस्ट पर कब्जा

एयरस्ट्राइक का बदला : पाक पर बरपा अफगानी कहर

काबुल। अफगानिस्तान ने रविवार को कहा कि उसने रात भर सीमा पर चलाए गए अभियानों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। यह कार्रवाई उसने अपने क्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रहे उल्लंघन के जवाब में की। इसी सप्ताह की शुरुआत में, अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान पर राजधानी काबुल और देश के पूर्वी हिस्से में एक बाजार पर बमबारी करने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 25 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है, 58 सैनिक मारे गए हैं और 30 अन्य घायल हुए हैं। जंग ऐसे समय शुरू हुई है जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। जब मुत्तकी का भारत दौरा शुरू हुआ था तो पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की थी।

बीती रात भारतीय समयानुसार रात 9 बज कर 23 मिनट पर अफगानिस्तान सेना ने पाकिस्तान के साथ लगने वाली 2 हज़ार 670 किलोमीटर लंबी सीमा पर कुल 7 बॉर्डरों पर स्थित पाकिस्तानी सेना की पोस्टों पर भारी हथियारों से एक साथ हमला कर दिया. ये हमला अफगानी सेना की 210 ख़ालिद बिन वालिद ब्रिगेड और 205 अल बद्र कॉर्प्स ने मिलकर किया था. साथ ही अफगान सेना के इस हमले में पाकिस्तान की एक दर्जन से ज़्यादा अफगानिस्तान सीमा पर स्थित चौकियां ध्वस्त हो गई. इतना ही नहीं अफगानिस्तान की सरकार ने यह भी दावा किया कि कल पाकिस्तानी सेना पर हमले के दौरान अफगान सैनिकों ने पाक-अफगान सीमा डूरंड लाइन तक पार की थी और अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री दफ्तर के प्रमुख मुफ़्ती अब्दुल्ला आज़म के मुताबिक अफगान सेना ने हमले में पाकिस्तान की कुल 4 चौकियों पर क़ब्जा कर लिया था साथ ही दो पाकिस्तानी सैनिकों को ज़िंदा भी पकड़ा है. इसके अलावा अफगानिस्तान की मीडिया ने दावा किया कि अफगान सेना के हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिकों की जान गई और 5 पाकिस्तानी सैनिकों को अफगान सेना ने हिरासत में लिया है. अफगान सैनिक एक पाकिस्तानी सैनिक का शव अपने साथ अफगान सेना के कैम्प पर मिनी ट्रक में रख कर ले गए. भारतीय समय अनुसार रात 9 बज कर 23 मिनट पर शुरू हुआ हमला आख़िरकार रात 1 बजे रुका जब अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सीजफायर का ऐलान किया. अफगानिस्तान की सेना ने पाकिस्तान पर हमले को राजधानी काबुल पर की गई एयरस्ट्राइक का बदला बताया है तो अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा बार-बार अफगानिस्तान की पवित्रता का उल्लंघन और अफगान भूमि पर हवाई हमले करने के जवाब में अफगानिस्तान की सेना ने सफल कार्रवाई की।

भारत की लगातार दूसरी हार

आस्ट्रेलिया ने चेज किया 331 रन का लक्ष्य

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विशाखापत्तनम में महिला वर्ल्ड कप 2025 का 13वां लीग मैच खेला गया। इस हाई स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने एलिसा हिली की शतकीय पारी के दम पर 3 विकेट से जीत लिया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और फिर पहले खेलते हुए भारत ने 48.5 ओवर में 330 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 331 का टारगेट मिला था और इस टीम ने 49 ओवर में 7 विकेट पर 331 रन बनाकर मैच जीत लिया। महिला वनडे वर्ल्ड कप इतिहास में ये सबसे बड़ा रन चेज साबित हुआ। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में 4 मैच खेले हैं जिसमें इस टीम को पहले दो मैचों में जीत मिली थी, लेकिन उसके बाद के दो मैचों में लगातार हार मिली। ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत को साउथ अफ्रीका ने हराया था। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 2 अंक हासिल किए और उसके 7 अंक हो गए जबकि भारत के अभी 4 अंक ही हैं।

मंधाना ने बनाए 80 रन

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए जबकि प्रतिका रावल ने 75 रन की पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रन की साझेदारी हुई। हरलीन ने 38 जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 22 रन की पारी खेली। जेमिमा के बल्ले से 33 रन निकले जबकि रिचा घोष ने 32 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने 5 विकेट अपने नाम किए। वहीं इस मैच में जॉर्जिया वेयरहैम की जगह आईं सोफी मोलिनिउक्स ने 3 विकेट लिए। मेगन शट और एश्लेग गार्डनर को 1-1 सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया की पारी, हिली का शतक

लिचफील्ड भारत के खिलाफ 40 रन पर आउट हो गईं। कप्तान एलिसा हीली ने 35 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया जबकि अपना शतक 84 गेंदों पर लगाया। हीली ने 107 गेंदों पर 142 रन की पारी खेली। बेथ मूनी 2 रन बनाकर आउट हो गईं जबकि पेरी 32 रन पर रियायर हर्ट हो गईं। एश्लेग गार्डनर 45 रन पर आउट हुईं। भारत की तरफ से श्री चरणी ने 3 जबकि अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए।

दिल्ली टेस्ट में 5 विकेट लेकर कुलदीप ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कुलदीप यादव ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में कुलदीप ने 5 विकेट झटके. कुलदीप ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी लेफ्ट-आर्म रिस्ट स्पिनर द्वारा सबसे ज्यादा 5-विकेट हॉल प्राप्त करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. वो अब इंग्लैंड के जॉनी वॉर्डल के बराबर आ गए हैं, जिन्होंने बाएं-हाथ से रिस्ट स्पिन गेंदबाजी करते हुए अपने करियर में पांच 5 विकेट-हॉल हासिल किए थे. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 518 रनों पर घोषित कर दी थी. इसके जवाब में वेस्टइंडीज अपनी पहली पारी में सिर्फ 248 रन बना, इसी वजह से टीम इंडिया ने उसे फॉलो-ऑन खेलने पर मजबूर किया. कैरेबियाई टीम को छोटे स्कोर पर समेटने में कुलदीप ने बड़ा योगदान दिया. उन्होंने 26.5 ओवर गेंदबाजी करके 82 रन दिए और 5 विकेट झटके.

लेफ्ट-आर्म रिस्ट स्पिनर द्वारा सबसे ज्यादा फाइफर

बाएं हाथ के रिस्ट स्पिन गेंदबाज द्वारा टेस्ट में सबसे ज्यादा फाइफर का रिकॉर्ड अब संयुक्त रूप से कुलदीप यादव और जॉन वॉर्डल के नाम है. दोनों ने पांच-पांच पार किसी एक टेस्ट पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया. इस सूची में उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के पॉल एडम्स का नंबर आता है, जिन्होंने चार बार फाइफर प्राप्त किया था. कुलदीप यादव का रिकॉर्ड इसलिए खास है क्योंकि उन्होंने 5 फाइफर तक पहुंचने के लिए सिर्फ 15 टेस्ट मैच लिए हैं. जबकि जॉनी वॉर्डल ने 28 मैचों में यह मुकाम हासिल किया था. कुलदीप ने वेस्टइंडीज की पहली पारी में एलिक अथानेज, शाय होप, टेविन इमलाच, जस्टिन ग्रीव्स और जेडन सील्स को आउट किया।

सोने से तेज चांदी, एक महीने में 19 परसेंट से ज्यादा उछला भाव

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर हमारी नजर बनी रहती है, लेकिन क्या आपको पता है कि सितंबर के महीने में

चांदी की कीमत में 19.4 परसेंट की तेजी आई है. जबकि इसके मुकाबले सोने की कीमत महज 13 परसेंट ही बढ़ी है. सोलर और टेक्नोलॉजी सेक्टर्स से बढ़ती डिमांड और ग्लोबल सप्लाई में कमी के चलते चांदी की कीमत बढ़ी है. चांदी की कीमत 1 सितंबर के 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 24,500 रुपये बढ़कर 30 सितंबर को 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई. हाल के सालों में किसी एक महीने में चांदी की कीमत में आए तेज उछाल में से यह एक है. शुक्रवार को दिल्ली में चांदी की कीमत 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट पर बरकरार रही और मंगलवार को इसने 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने रिकॉर्ड हाई लेवल को छू लिया।

उलटफेर : नामीबिया से हार गई अफ्रीका

नई दिल्ली। ये शायद क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े उलटफेर में से एक हो. नामीबिया ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 मैच में 4 विकेट से हरा दिया है. आखिरी गेंद तक चले इस रोमांचक मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 134 रन बनाए थे. जवाब में नमीबिया के बल्लेबाज ने आखिरी गेंद पर चौका लगाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की. ये पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीका को टी20 में किसी एसोसिएट देश के हाथों हार मिली है. ये पहली बार नहीं है जब नामीबिया ने ICC के किसी फुल मेंबर देश को हराया है. वो इससे पहले श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आयरलैंड को भी हरा चुका है. आपको बताते चलें कि कुछ दिन पहले ही नामीबिया ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है.

डोनोवन फरेरा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले खेलते हुए 134 रन बनाए थे. जेसन स्मिथ टीम के टॉप स्कोरर रहे, जिन्होंने 31 रन बनाए. वहीं गेंदबाजी में नामीबिया के लिए रूबेन ट्रंपलमान सबसे सफल बॉलर रहे, जिन्होंने 4 ओवरों में सिर्फ 28 रन देकर 3 विकेट लिए. टारगेट का पीछा करते हुए नामीबिया एक समय हार की ओर अग्रसर थी. उसने 84 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के जबड़े से जीत छीन ली. उन्होंने दबाव में 23 गेंदों में नाबाद 30 रन की पारी खेली. दूसरी ओर रुबेन ट्रंपलमान भी 11 रन बनाकर नाबाद लौटे.

अनिल अंबानी ग्रुप के CFO गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को अनिल अंबानी की कंपनी

रिलायंस पावर के शेयर में जबरदस्त उछाल रही थी. कंपनी के शेयरों में 13 प्रतिशत का उछाल देखा गया था. वहीं अब कंपनी से जुड़ी एक और जानकारी सामने आई है. प्रवर्तन निदेशालय (ED) की ओर से रिलायंस पावर कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) अशोक कुमार पाल को गिरफ्तार कर लिया गया है. सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की रात ईडी ने अशोल पाल को दिल्ली स्थित उनके ऑफिस में लंबी बातचीत के बाद गिरफ्तार कर लिया. शनिवार को ED की टीम अशोक पाल को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश करेगी, जहां आगे की जांच के लिए कस्टडी रिमांड की मांग की जाएगी. यह गिरफ्तारी फर्जी बैंक गारंटी के मामले से जुड़ी हुई बताई जा रही है. इंडिया टुडे के अनुसार, अशोक पाल पर लगभग 68.2 करोड़ रुपए की संदिग्ध बैंक गारंटी घोटाले में शामिल होने के आरोपों के तहत यह गिरफ्तारी हुई है. ये फर्जी बैंक गारंटी अनिल अंबानी की दो कंपनियों रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड और महाराष्ट्र एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड के नाम पर जारी की गई थी.

TCS ने 20 हजार स्टाफ को किया बाहर

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जो देश की सबसे बड़ी IT सर्विसेज प्रदाता कंपनी है, उसमें कर्मचारियों की संख्या में एक तिमाही के भीतर ही बड़ी गिरावट देखने को मिली है. कंपनी के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, फाइनेंशियल ईयर 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या घटकर 5,93,314 रह गई, जबकि जून तिमाही में यह 6,13,069 थी. यानी एक ही तिमाही में करीब 19,755 कर्मचारियों की कमी आई है. कंपनी ने इसे "वर्कफोर्स री-स्ट्रक्चरिंग" यानी कार्यबल पुनर्गठन का हिस्सा बताया है. TCS का कहना है कि बदलते व्यावसायिक माहौल के अनुरूप कर्मचारियों की संख्या और संरचना में बदलाव किया जा रहा है।

चीन के हाथ खींचने से गहराया संकट, भारत को बचना होगा खतरे से

डॉलर का 'अंतिम संस्कार' शुरू?

नई दिल्ली। अमेरिका का बढ़ता कर्ज टेंशन बन गया है। चीन का अमेरिकी कर्ज से बाहर निकलना और ज्यादा डराने लगा है। यह वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल पैदा कर सकता है। इससे डॉलर की स्थिति कमजोर होगी। ऐसे में एक सवाल उठा है। दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार जब धीरे-धीरे कर्ज चुकाने में नाकाम होने लगे तो क्या होगा? निवेश बैंकर सार्थक आहूजा के मुताबिक, यह सवाल जल्द ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को परिभाषित कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बड़े देश अमेरिका से अपना पैसा निकालना शुरू कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कर्ज का जाल हाथ से निकल गया है। आहूजा का लिंक्डइन पोस्ट वित्तीय हलकों में बहस छेड़ रहा है। उन्होंने सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। कहा, 'अमेरिका पर यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण

अमेरिका की कुल जीडीपी से भी ज्यादा कर्ज है। यह हर अमेरिकी पर 100,000 डॉलर से ज्यादा का कर्ज है।'

यह चेतावनी आईएमएफ की ओर से अमेरिका के 36 ट्रिलियन डॉलर के संघीय कर्ज पर हालिया आंकड़े के बाद आई है। यह कर्ज मुख्य रूप से 2008 के बाद के बेलआउट (आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी गई मदद), रिकॉर्ड रक्षा खर्च और महामारी के दौरान दिए गए प्रोत्साहन पैकेजों के कारण बढ़ा है। अब अमेरिका के सबसे बड़े कर्जदार अपना पैसा वापस चाहते हैं। चीन, जापान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश चुपचाप अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड (सरकारी प्रतिभूतियां) बेचना शुरू कर चुके हैं। आहूजा लिखते हैं, 'चीन, जो अमेरिका का सबसे बड़ा कर्जदार है, उसने पहले ही शुरुआत कर दी है। जापान भी वही कर रहा है।'

साप्ताहिक शहर सत्ता

भाजपा का वीडियो अटैक

AI से भूपेश-बघेल को जीत का सपना देखते दिखाया

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक पार्टियां अब एक-दूसरे को घेरने AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाए गए वीडियो का इस्तेमाल कर रही हैं। भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ 3 AI जनरेटेड वीडियो जारी किए हैं। एक वीडियो में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों पर गंभीर आरोपों पर बात की गई है। दूसरे वीडियो में आदिवासी नेताओं के अपमान का जिक्र है। छत्तीसगढ़ में एआई वीडियो से राजनीति में घमासान मच गया है।

वहीं तीसरे वीडियो में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बिहार चुनाव में जीत का सपना देखते हुए दिखाया है। PCC चीफ दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के पास कोई काम नहीं है। इसलिए अब वे फर्जी वीडियो बना रहे हैं। वहीं, भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि जांजगीर में NSUI का जिलाध्यक्ष डकैती की योजना बनाते हुए पकड़ा गया। ऐसे चरित्र तो कांग्रेस की ताज के नगीने हैं। आदमी कहां से लाएंगे, जब चोर-डकैत भरे पड़े हैं।

भाजपा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों पर गंभीर आरोपों को लेकर AI वीडियो बनाया है। भाजपा के AI जनरेटेड वीडियो में कांग्रेस पर आदिवासी नेताओं के अपमान की बात कही गई है। भाजपा ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को बिहार चुनाव में कांग्रेस की जीत का सपना देखते दिखाया है। वहीं, भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा, जो कांग्रेस के चरित्र में है, वही एआई के चित्र में दिख रहा है।

सीएम बनने और नहीं बनने को लेकर कांग्रेस-भाजपा में जुबानी जंग

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर आपस में उलझ गए। चंद्राकर के सिंहदेव को एक दिन का सीएम बनाने के बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार कर सुबाई सियासत में जुबानी जंग छेड़ दी है। चंद्राकर के इस बयान पर भूपेश बघेल ने भी पलटवार किया है। दरअसल टीएस सिंहदेव ने बिलासपुर में मीडिया के सवाल पर कहा था कि पार्टी का निर्णय अंतिम रहता है। मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे सीएम नहीं बनना है। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में किसी के चेहरे पर चुनाव लड़ना अपवाद होता है। इस पर अजय चंद्राकर ने कहा कि हम टीएस सिंहदेव को एक दिन का मुख्यमंत्री बना देंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बिलासपुर में एक दिन पहले कहा कि कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है। ऐसा कौन कहेगा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता। पहले भी मेरा नाम सीएम के लिए चला। ढाई-ढाई साल के सीएम के मुद्दे पर मीडिया ने लगातार मुझे बनाए रखा। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने सिंहदेव पर तंज कसते कहा कि हम सीएम बनाकर सिंहदेव का सम्मान कर देंगे, अगर वो चाहें तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाकर उनकी यह इच्छा हम पूरी कर देंगे। क्योंकि कांग्रेस में तो उनका कुछ होना नहीं है।

कांग्रेस का आरोप

बिजली कटौती और मंहगी बिजली बीजेपी सरकार में बड़ी समस्या

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार की नाकामी लापरवाही और मुनाफाखोरी वाली नीति के कारण प्रदेश के लोगों के लिए बिजली कटौती और मंहगी बिजली बड़ी समस्या बन गई है। राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली के दाम सबसे ज्यादा वर्तमान समय में है। सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना को बंद कर दिया जिससे लोगों के बिजली के बिल दुगुना से भी अधिक आ रहा। महंगी बिजली के बाद भी सरकार जनता को चौबीस घंटे बिजली नहीं उपलब्ध करवा पा रही। ग्रामीण क्षेत्र में आठ-नौ घंटे तक हो रही बिजली कटौती से जनता परेशान हो रही, लोग बिजली कटौती के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर है। कल ही आरंग में रसनी गांव के ग्रामीणों बिजली कटौती के विरोध में नेशनल हाईवे जाम कर दिया था। यह बताता है कि सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गई है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली गुल होना आम बात हो गई है, आम जनता सड़कों पर उतरकर बिजली की मांग कर रही है। कांग्रेस सरकार के दौरान बिजली की समस्या को लेकर जनता कभी सड़कों पर उतरी नहीं थी, गर्मी के दिनों मे भी मांग के अनुसार बिजली की आपूर्ति किया जाता था। भाजपा सरकार आफ सीजन में भी पूरी बिजली नहीं दे पा रही है। श्री शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है।

पीसीसी चीफ बोले 3100 में खरीदी होने पर प्रति एकड़ किसानों को 3906 रु. का नुकसान

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कल मंत्रिमंडल की बैठक के बाद किसानों की मांग 1 नवंबर से खरीदी को नजरअंदाज करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा किया कि इस वर्ष धान खरीदी 15 नवंबर से 3100 रू. क्विंटल से होगी, इस वर्ष का खरीदी का लक्ष्य भी 160 लाख मीट्रिक टन उन्होंने बताया। जिस प्रकार से समर्थन मूल्य दो सालों में बढ़ा है 117 रु. और 69 रु. धान खरीदी 3286 रु. प्रति क्विंटल में होनी चाहिए। सरकार 3100 रु. में धान खरीदने जा रही है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी होगी। इससे किसानों का प्रति एकड़ 21 क्विंटल गुणीत 186 रु. = 3906 रु. प्रति एकड़ का नुकसान होगा। कुल 160 लाख मीट्रिक टन की खरीदी में लगभग 2900 करोड़ रु. सरकार किसानों का दबा लेगी। यह राज्य के अन्नदाताओं के साथ सरकार की सीधे डकैती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार द्वारा धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू किये जाने का फैसला सरकार का गलत निर्णय है। कांग्रेस इसका विरोध करती है। धान खरीदी 1 नवंबर से शुरू किया जाना चाहिये। 15 नवंबर से खरीदी होने पर किसानों को इंतजार करना पड़ेगा। जब से राज्य बना है, राज्योत्सव के दिन से ही धान खरीदी की परंपरा रही है। साय सरकार पिछले दो साल से 15 दिन देरी से 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करती है। ताकि कम किसानो का धान खरीदना पड़े। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी के लक्ष्य के बारे में भी सरकार झूठ बोल रही है। सरकार दावा कर रही कि इस वर्ष भी 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदेंगे। जब इस वर्ष किसानों का पंजीयन कम हुआ है सरकार धान रकबा भी कम बता रही तब इतने धान की खरीदी कैसे होगी? पिछले साल 28 लाख किसानों ने धान बेचा था तथा रकबा भी लगभग 30 लाख हेक्टेयर था तब 160 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हुई थी। सरकार कम धान खरीद कर ज्यादा लक्ष्य बता कर वाहवाही लेना चाह रही है।

धन-धन्य योजना में जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा शामिल

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि किसान हित में दो नई योजनाओं में छत्तीसगढ़ के तीन जिलों जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा को भी शामिल किया गया है। इसके लिए मैं छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने इन दो नई योजनाओं के लिए प्रदेश के किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से खेती-किसानी की तस्वीर बदलेगी और आर्थिक सम्पन्नता भी आएगी। मुख्यमंत्री ने योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर कृषि विभाग की ओर से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और कृषि अभियांत्रिकी सब मिशन योजना के तहत किसानों को ट्रैक्टरों, कृषि उपकरणों की चाबी भी सौंपी और अनुदान राशि का चेक प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित मुख्य समारोह से देश के किसानों को 41 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया।

बस्तर उत्पादों की देशभर में पहचान

'वोकल फॉर लोकल' अभियान में जुटी विष्णुदेव सरकार

शहर सत्ता/रायपुर। वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रचार अभियान शुरू किया है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने प्रदेशवासियों से इस मुहिम में जुड़ने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से देश में आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह पैदा हुआ है।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश की परंपरागत कला, संस्कृति और उत्पाद अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। बस्तर की लोककला, जशपुर की कॉफी और महिला स्व-सहायता समूहों के हर्बल उत्पाद अब राष्ट्रीय बाजार में अपनी जगह बना चुके हैं। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि कोरोना काल ने साबित किया कि भारत आत्मनिर्भर बनने की क्षमता रखता है। उस कठिन समय में भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी, बल्कि 150 देशों को भी सहायता भेजी। उन्होंने बताया कि देश का रक्षा निर्यात अब 23 हजार 622 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है और भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग स्थानीय उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

शनिवार को भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में डिप्टी सीएम साव ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक पूरे देश में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 से अब तक अर्थव्यवस्था में बड़े सुधार किए हैं। आयकर और जीएसटी स्लैब में बदलाव से गरीब, किसान, महिला और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिला है।

महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

वन मंत्री केदार कश्यप ने रेडी-टू-ईट उत्पादन यूनिट का किया शुभारंभ

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा की दिशा में एक और नई पहल की शुरुआत हुई है। वन मंत्री एवं दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने आज जिले के कुआकोंडा विकासखंड में शनिवार को दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी-टू-ईट पोषण आहार उत्पादन यूनिट का शुभारंभ बड़े उत्साह और पारंपरिक श्रद्धा के साथ किया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर फीता काटकर यूनिट का उद्घाटन किया और बटन दबाकर मशीनों को चालू किया। उन्होंने उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा तैयार हो रहे रेडी-टू-ईट पैकेटों की गुणवत्ता भी देखी। इस यूनिट के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक लाभ और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल दंतेवाड़ा में पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर विधायक श्री चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुडामी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री संतोष गुप्ता, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, डीएफओ सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और ग्रामीण महिलाएँ उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में मंत्री श्री कश्यप ने दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह दंतेवाड़ा जिले के लिए गर्व का विषय है कि अब जिले में ही पौष्टिक आहार का उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव महिलाओं की जागरूकता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

शासन की योजनाओं से प्रेरित होकर आज महिलाएँ "लखपति दीदी" बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी से पोषणयुक्त आहार को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

बारनवापारा अभ्यारण्य में 5 दिवसीय इको-टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम

शहर सत्ता/रायपुर। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में 7 से 11 अक्टूबर 2025 तक पाँच दिवसीय इको-टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में स्थानीय युवाओं एवं गाइड्स को वन्यजीव पर्यटन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण की गहन जानकारी प्रदान किया गया। पर्यटन के विस्तार के साथ-साथ जानवरों और प्राकृतिक क्षेत्रों पर पर्यटकों का प्रभाव भी बढ़ता है। लेकिन ज़िम्मेदारी से यात्रा करने और वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के आनंद के लिए वन्यजीवों और प्राकृतिक क्षेत्रों के संरक्षण में सहयोग करने के कुछ तरीके मौजूद हैं। प्रशिक्षण का संचालन द नेचरलिस्ट स्कूल के प्रशिक्षक दल प्रकृति सुब्रमण्यम, अनिकेतन चंद्रेगैड़ा एवं चंद्रशेखर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया जिसमें स्थानीय पक्षियों, कीटों, सरीसृपों, स्तनधारियों एवं पादप प्रजातियों की पहचान, उनके पारिस्थितिक महत्व, व्यवहारिक संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास तथा गाइडिंग तकनीकों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। पांचवें दिवस पर अभयारण्य क्षेत्र में फील्ड भ्रमण एवं पादप प्रजातियों की पहचान पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

मानदेय शिक्षकों ने संभाली कमान, कोरबा की स्कूलों में अब पढ़ाई हुई आसान

118 लेक्चरर, 109 शिक्षक और 243 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति

शहर सत्ता/रायपुर। कोरबा जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से शिक्षकों की कमी को दूर किया गया है। इस पहल से अब जिले के दूरस्थ एवं अंतिम छोर के गांवों के विद्यालयों में भी नियमित अध्यापन सुचारू रूप से हो रहा है। डीएमएफ से इस सत्र में कुल 470 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिसमें 118 लेक्चरर, 109 शिक्षक और 243 सहायक शिक्षक शामिल हैं। साथ ही, विद्यालयों में स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु 310 भृत्यों की भी नियुक्ति की गई है। इससे पहले भी 477 शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया था। पूर्व में पचरा, श्यांग, कटमोरगा जैसे सुदूर गांवों के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब इन विद्यालयों में प्रत्येक विषय के शिक्षक उपलब्ध हैं। शासकीय हाई स्कूल पचरा में अब कोई भी पीरियड खाली नहीं जाता। इस सत्र में डीएमएफ से नियुक्त अतिथि शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि की गई है।

हायर सेकेंडरी व्याख्याताओं को 15,000 रूपए, मिडिल स्कूल शिक्षकों को 13,000 रूपए, प्राथमिक शिक्षकों को 11,000 रूपए और भृत्यों को 8,500 रूपए मासिक मानदेय दिया जा रहा है। इस पहल से न केवल विद्यालयों में अध्यापन व्यवस्था बेहतर हुई है, बल्कि विद्यार्थियों को विषय ज्ञान, समय पर पाठ्यक्रम पूर्णता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ भी मिल रहा है। कोरबा जिले में यह प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त, सर्वांगीण और समावेशी विकास की नई शुरुआत साबित हुआ है।

संभागायुक्त कावरे और कलेक्टर गौरव सिंह ने किया गिरदावरी कार्य सत्यापन

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर संभागायुक्त श्री महादेव कावरे ने धमतरी जिले के कुरूद तहसील के ग्राम चर्रा में फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसान श्री मिश्रीलाल साहू के खसरा नंबर 999, रकबा 0.73 हेक्टेयर भूमि में धान फसल के सत्यापन का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि संबंधित भूमि के एक हिस्से पर किसान का मकान निर्मित है। इस पर संभागायुक्त ने पटवारी बिशनलाल ध्रुव को निर्देशित किया कि मकान निर्मित क्षेत्र को गिरदावरी से कम किया जाए।

किसान मिश्रीलाल साहू ने बताया कि उन्होंने एग्रिस्टेक पोर्टल में अपना पंजीयन कराया है तथा वे इस वर्ष भी बीज निगम को धान विक्रय करेंगे। पिछले वर्ष उन्होंने बीज निगम को ₹3600 प्रति क्विंटल की दर से धान बेचा था। संभागायुक्त श्री कावरे ने बताया कि फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य इस माह 30 अक्टूबर तक पूर्ण किया जाना है, तथा संभाग के सभी कलेक्टरों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी सहित अन्य राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज धरसींवा विकासखंड के ग्राम मांढर और ग्राम बरोदा की खेतों में चल रहे गिरदावरी सत्यापन और दावा-आपत्ति निराकरण कार्य का निरीक्षण किया। ग्राम मांढर के पंचायत भवन में कलेक्टर ने गिरदावरी के बाद प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया का जायजा लिया।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने दिया बैंगीनडीह में जिला शिल्प कार्यालय खोलने के निर्देश

शहर सत्ता/रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम बैंगीनडीह में स्थानीय शिल्पकारों से मुलाकात की और उनकी पारंपरिक शिल्पकला का अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री श्री यादव ने शिल्पकारों से उनके कार्य, आजीविका और उत्पादों की विपणन व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

स्थानीय शिल्पकारों की मांग पर मंत्री श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को शिल्प विकास का जिला कार्यालय खोलने के निर्देश दिए, ताकि शिल्पकारों को प्रशिक्षण, विपणन, डिज़ाइन सुधार और आर्थिक सहायता की सुविधाएँ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा सकें। मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिल्पकारों की प्रतिभा और परंपरागत कला न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सशक्त पहचान भी है। सरकार का उद्देश्य है कि इन परंपरागत कलाओं को प्रोत्साहन देकर आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार किया जाए। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार विजेता शिल्पकार हीराबाई झरेका एवं मिनकेतन बघेल ने मंत्री श्री यादव को "नाव का शिल्प" भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, वरिष्ठ नागरिक जगन्नाथ पाणिग्राही, ज्योति पटेल, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और शिल्पकार उपस्थित रहे।

कार्तिक -अभिषेक बने बेस्ट एक्टर आलिया को बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 70वीं फिल्मफेयर अवॉर्ड सेरेमनी हुई। शाहरुख खान ने सेरेमनी होस्ट की। अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन को फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक और चंदू चैंपियन के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। वहीं आलिया भट्ट, फिल्म जिगरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस रहीं।

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। इसी के साथ फिल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर बनीं। अलग-अलग कैटेगरी में इस फिल्म ने कुल 14 अवॉर्ड हासिल कर रिकॉर्ड कायम कर लिया है। ये 13 अवॉर्ड जीत चुकी फिल्म गली बॉय का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। कार्यक्रम में दिलीप कुमार, नूतन और मीना कुमारी की बेहतरीन फिल्मी विरासत को याद किया गया। वेटरन अभिनेत्री जीनत अमान को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जबकि नई पीढ़ी के कलाकार नितांशी गोयल (लापता लेडीज़) और लक्ष्य (किल) को उनकी शानदार परफॉर्मेंस के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता/अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला।

सर्वश्रेष्ठ रूपांतरित पटकथा : रितेश शाह और तुषार शीतल (I Want To Talk)
सर्वश्रेष्ठ कहानी : आदित्य धर, मोनल ठाक्कर (Article 370)
सर्वश्रेष्ठ संवाद : स्नेहा देसाई (Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ म्यूज़िक एल्बम : राम संपत (Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ गीत: प्रशांत पांडे (सजनी – Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक (पुरुष) : अरिजीत सिंह (सजनी – Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला) : मधुबंती बागची (आज की रात – Stree 2)
आर.डी. बर्मन अवॉर्ड : अचिंत ठक्कर (Jigraa, Mr and Mrs Mahi)
लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड: जीनत अमान, श्याम बेनेगल
सिने आइकॉन अवॉर्ड : नूतन, मीना कुमारी, दिलीप कुमार
सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता : लक्ष्य (Kill)
सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री : नितांशी गोयल (Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक : कुणाल खेमू (Madgaon Express)
आदित्य सुहास जांभले (Article 370)
सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी : बॉस्को-सीज़र (Tauba Tauba)
सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर : राम संपत (Laapataa Ladies)
सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स : ReDefine (Munjya)
सर्वश्रेष्ठ एक्शन : सियॉन्ग ओह और परवेज़ शेख (Kill)
सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग : शिवकुमार वी. पनिकर (Kill)
सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन : दर्शन जालान (Laapataa Ladies)

दिलजीत के बाद वरुण धवन ने भी छोड़ी 'नो एंट्री 2'

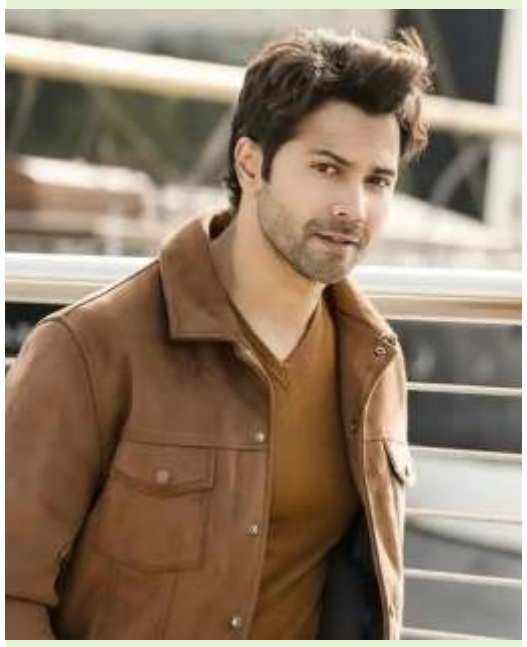

बॉलीवुड फिल्ममेकर बोनी कपूर एक बार फिर 'नो एंट्री' के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है. फिल्म की घोषणा कुछ वक्त पहले ही की गई थी. फिल्म के सीक्वल को अर्जुन कपूर, दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन के साथ बनाया जा रहा है, लेकिन कुछ दिनों पहले दिलजीत से फिल्म से किनारा कर लिया. अब खबरें हैं कि वरुण फिल्म को बाय-बाय कह दिया है.

मिड डे की रिपोर्ट के अनुसार वरुण धवन अब 'नो एंट्री' का हिस्सा नहीं है. दरअसल एक्टर इन दिनों अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट्स में बिजी चल रहे हैं. इसलिए उन्हें 'नो एंट्री' की शूटिंग के लिए डेट्स की प्रॉब्लम हो रही है. फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया वरुण इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटिड थे. लेकिन दिलजीत दोसांझ के फिल्म छोड़ने के बाद सारी चीजें बदल गई. अब वरुण भी 'भेड़िया 2' में बिजी चल रहे हैं. हालांकि इस दिक्कत को खत्म करने की कोशिश की जा रही है. अभी मेकर्स ने भी इसपर कोई बयान नहीं दिया है.

पवन सिंह अपनी हालत के खुद जिम्मेदार : स्मृति सिन्हा

भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर विवादों में हैं. उनके और उनकी बीवी ज्योति सिंह के बीच का तनाव बढ़ता ही जा रहा है और दोनों तरफ से आरोपों का सिलसिला जारी है. इस बीच भोजपुरी एक्ट्रेस स्मृति सिन्हा ने पवन सिंह और ज्योति सिंह के विवाद पर रिएक्ट किया है. एक्ट्रेस ने इस पूरे मामले के लिए एक्टर को ही जिम्मेदार ठहराया है. स्मृति ने इस दौरान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर भी बात की है. एक हालिया इंटरव्यू में स्मृति सिन्हा ने कहा- 'पवन सिंह और ज्योति सिंह का जो भी विवाद है, उनको घर पर ही सुलझाना था. इससे एक एक्टर की छवि तो सबसे जायदा खराब हो ही रही है. पवन सिंह खुद ही जिम्मेदार हैं कहीं ना कहीं अपनी हालत के.' स्मृति सिन्हा ने आगे कहा- 'पवन सिंह को थोड़ा समझना होगा, अपने आस-पास वो कैसे लोगों को रखते हैं इस पर ध्यान देना होगा. जो लोग उनके करीबी बनते हैं, उनको सही बात नहीं समझाते हैं, ये एक बड़ी दिक्कत रही है।

ऑस्कर-विनिंग एक्ट्रेस डाएन कीटन का हुआ निधन, कई सेलीब्रिटी ने दी श्रद्धांजलि

हॉलीवुड इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली और बुरी खबर सामने आई है. 'द गॉडफादर ट्रिलॉजी' फेम एक्ट्रेस डाएन कीटन का निधन हो गया है. एक्ट्रेस ने 79 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है. ये खबर सुनकर उनके फैंस का दिल टूट गया है. वहीं कई बॉलीवुड सेलेब्स भी एक्ट्रेस के निधन से दुखी हैं और उन्होंने डायन को श्रद्धांजलि भी दी है. डाएन ने अपने करियर में 60 से ज्यादा फिल्मों में काम कर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया था. एक्ट्रेस को साल 1977 की रोमांटिक फिल्म 'एनी हॉल' के लिए ऑस्कर अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका था. इस फिल्म से एक्ट्रेस का किरदार आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है. बता दें कि डाएन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, फोटोग्राफर और उम्दा राइटर भी थीं. डाएन की मौत से सिर्फ हॉलीवुड ही नहीं कई बॉलीवुड सितारे भी दुखी है. प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर ने डायन को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की और जमकर तारीफ भी की. दोनों एक्ट्रेस की ये पोस्ट काफी वायरल भी हो रही है।

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप फिल्म ने OTT पर मचाया धमाल

बॉलीवुड में अक्सर देखा गया है कि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई फिल्में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आते ही दर्शकों की पसंद बन जाती हैं। ऐसा ही हाल हाल ही में 2025 की महाबजट फिल्म War 2 के साथ हुआ है। 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई इस फिल्म को दर्शकों की उम्मीदों के मुताबिक सफलता नहीं मिली। 400 करोड़ के बजट में बनी यह स्पाई थ्रिलर कमर्शियल तौर पर डिसास्टर साबित हुई, और इसका लाइफटाइम कलेक्शन केवल 185.13 करोड़ रहा।

फिल्म की कहानी एक बागी एजेंट पर आधारित है, जिस पर अपने सीनियर ऑफिसर की हत्या का आरोप है। खुफिया एजेंसी उसे पकड़ने की कोशिश करती है, लेकिन वह कई बार चकमा देकर बच निकलता है। साथ ही फिल्म में यह भी दिखाया गया है कि पॉलिटिकल सिस्टम किस तरह सिक्योरिटी सिस्टम को कमजोर करता है। War 2, 2019 की ब्लॉकबस्टर War का सीक्वल है और इसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं। 9 अक्टूबर 2025 को फिल्म नेटफ्लिक्स (Netflix) पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध कराई गई। आते ही यह फिल्म दर्शकों के बीच हिट हो गई और OTT पर लगातार 4 दिनों से नंबर-1 पर ट्रेंड कर रही है। 2 घंटे 53 मिनट की इस फिल्म को फैंस बड़ी संख्या में देख रहे हैं और हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही War 2 अब OTT पर मस्ट-वॉच बन गई है, यह साबित करता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का रुझान अलग हो सकता है और एक फिल्म को नया जीवन मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ी रंगमंच का रोचक इतिहास

छत्तीसगढ़ में 1740 में मराठों का शासन काल आया। इनकी स्थापना का असर अंचल की कला और संस्कृति पर भी पड़ा। बीसवीं सदी के सातवें दशक से नेमीचंद जैन द्वारा संपादित नटरंग पत्रिका में हबीब तनवीर का नाचा पर केंद्रित कुछ लेख प्रकाशित हुआ। इसी दौरान अस्सी के दशक में राजिम में उनके द्वारा आयोजित नाट्य वर्कशॉप महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। छत्तीसगढ़ी रंगमंच पर इन घटनाओं का जबरदस्त प्रभाव पड़ा। कतिपय विद्वान चनैनी नृत्याभिनय को छत्तीसगढ़ी रंगमंच की प्रारंभिक अवस्था मानते हैं। चनैनी लोरिक और चंदा की प्रेम गाथा है। भक्ति आंदोलन के प्रभाव के फलस्वरूप भारत में भगवान राम और कृष्ण की लीलाओं का मंचन प्रारंभ हुआ। इससे मिलती जुलती कथा को लेकर छत्तीसगढ़ी में भी एक लोकगीत मिलता है। यह गीत डा. श्यामाचरण दुबे की पुस्तक' फील्ड सांग्स आफ छत्तीसगढ़ ' में ' बोधरू गीत' के नाम से संकलित है। बोधरू गीत को परम्परा से जोड़ा जाए तो छत्तीसगढ़ रंगमंच की परम्परा मुगलकालीन प्रतीत होता है। भारत की आजादी के आसपास कृष्ण लीला मंडली की स्थापना का प्रभाव क्षेत्र सिर्फ बिलासपुर जिलाथा। वर्तमान उड़ीसा और महाराष्ट्र का एक बड़ा भू भाग क्रमशः 1905 और 1956 के पूर्व मिलकर छत्तीसगढ़ प्रांत कहलाता था। इस कारण उड़ीसा में चैतन्य महाप्रभु के भक्ति आंदोलन का प्रभाव छत्तीसगढ़ में पड़ा। भगवान कृष्ण की परिक्रमा करते कीर्तन की परम्परा प्रारंभ हुई। यह परम्परा आगे बढ़ कर रहस का रूप लिया। रहस की इस नाट्य परम्परा को राधा विहार और बृज विलास नामक कृतियां निरंतरता प्रदान करती हैं। इसी समय महाराष्ट्र का लोक मनोरंजन का साधन नाचा छत्तीसगढ़ में अपना रंग जमाने लगा। इसी काल खण्ड में दाऊ रामचंद्र देशमुख ने रंगमंच की दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस प्रकार एक लंबे समय से छत्तीसगढ़ी में नाट्य लेखन की परम्परा तो मिलती है, किन्तु मंच के अभाव में निरर्थकता का शिकार भी हो रही है।

देवार जाति की स्त्रियों द्वारा गाया जाता है बीरम गीत

शकुन्तला वर्मा

छत्तीसगढ़ अंचल में खानाबदोश देवार जाति की खियों द्वारा बीरम गीत गाई जाती है। घुमक्कड़ स्वभाव के कारण इन प्रचलित बीरम गीतों में विभिन्न क्षेत्रों के ऐतिहासिक संदर्भों का बखान मिलता है। बीरम गीत के बीच जब खियां चूड़ी खनकाती हैं, तब यह गीत उनके करुण एवं हृदय विदारक जीवन से मिलकर रस की वर्षा करता है। बीरम गीत में नारी जीवन की चिरंतर व्यथा का विशेष रूप से चित्रण हुआ है। नारी अपने मायके में सुखी जीवन जीती है पर ससुराल के नाम से वह व्यथित हो जाती है। देखें यह भाव इस गीत में -

मइके के खोल बड़ सोहन मोर ददा,रेंग लेहो बइहा झकोर।

ससुरे के खोल बड़ साकुर मोर ददा,रेंग लेहो बइहा सकेल।

इस गीत में माइके और ससुराल के मध्य अपने हृदय के अंदर पनप रहे भाव को पिता के समक्ष प्रकट कर रही है। एक अन्य पंक्ति जिसमें अपनी पीड़ा इस तरह व्यक्त करती हैं -

अंगना में कुआं खनाय लेते मोर ददा, धियरी ल देते धकेल। ऊपर पथना पिटाई देते मोर ददा ओ गंगा कर लेते असनान । आगे कहती है कि आप घर के आंगन में कुआं खुदवा कर उसमें मुझे धकेल देते और फिर गंगा स्नान कर लेते।

एक और भाव इस पंक्ति में -

उड़त चिरैया ल तै झन टिपिबे गा पीठ के बहिनी समान। अपन घर बेटवा अऊ पर घर बिटिया गा जोड़ी लिखीन भगवान।

यह गीत के माध्यम से कहना चाहती है कि चिड़िया को मत मारो बहन के समान होती है। बेटा घर का और बेटी पराए घर की होती है। यह जोड़ी तो भगवान की बनाई हुई है।

ददरिया में भावों से भरा काव्य बिम्ब

डा. जीवन यदु

छत्तीसगढ़ में कृषि कार्य के समय ददरिया श्रम परिहार का गीत ही नहीं है वह समझदार लोक का काव्य भी है, जिसमें सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों की अभिव्यक्तियां हैं, काव्य सम्मत प्रतीक और बिम्ब भी है। प्रतीक और बिम्ब मनुष्य की लम्बी यात्रा में संग्रहित अनुभवों के काव्य रूप होते हैं। यदि लोक गीतों में प्रतीक और बिम्ब आते हैं तो इसका अर्थ यही निकलता है कि लोक उतना नासमझ नहीं है, जितना कि उसे समझ लिया गया है। इसके उल्टे वह काव्य की समझ रखने वाला समाज है। काव्य में प्रतीकों में कुछ कह देना समझदारी वाला काम है। पुराने पड़ते प्रतीकों से बिम्बो का जन्म होता है। बिंबों से हमें ऐसे छाया लोक के दर्शन होते हैं जहां से काव्य में शब्द, पद, पंक्ति, समय और स्थान के अनुसार व्यंजना प्रधान संकेत प्रकट करने लगते हैं तब हम उसे एक ही सीमित अर्थ में बांध नहीं सकते हैं किन्तु वे वर्तमान में प्रवेश कर जाते हैं यही उसकी काव्य सफलता होती है। ददरिया लोक गीत में जो लोक मन उभरता है, वह अन्य लोकगीतों में उपस्थित लोक मन की तरह विस्तृत और विशाल है। इस लोक मन का कोई ओर है न छोर। धरती आकाश को एक साथ पा लेना इस लोक मन के लिए एकदम सहज है। लोक मन अपने भूगोल ज्ञान से शिक्षितों और भौगोलिक ज्ञान को चुनौती देता है। वह ग्रह नक्षत्रों को अपनी हथेली पर रखे पुलकित हो जाता है।

शिक्षा के साथ समाजसेवी के लिए जाने गए डॉ.नरेन्द्र देव वर्मा

सुधा वर्मा

नरेन्द्र देव वर्मा का जन्म सेवाग्राम वर्धा नामक स्थान में 4 नवम्बर सन 1939 को हुआ था। उनके पिता स्व. धनीराम जी वर्मा एक शिक्षक थे। डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा अपने कुल 5 भाइयों में अकेले गृहस्थ थे। केवल चालीस वर्ष में अपनी सृजनधर्मिता दिखाने वाले डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा, वस्तुतः छत्तीसगढ़ी भाषा अस्मिता की पहचान बनाने वाले गंभीर कवि थे। हिन्दी साहित्य के गहन अध्येता होने के साथ ही, कुशल वक्ता, गंभीर प्राध्यापक, भाषाविद् तथा संगीत मर्मज्ञ भी थे।

मैट्रिक के बाद बी.ए. के बाद एम. ए. की पढ़ाई के लिए सागर यूनिवर्सिटी में भर्ती हो गये। यहाँ उनकी पहचान एक वक्ता के रूप में सामने आई जब अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाले वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए उन्हें सागर यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला और उन्हें इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में चुना गया। एम.ए, के बाद उन्हें प्रयोगवादी काव्य और साहित्य चिंतन शोध प्रबंध विषय पर सन 1966 में पी.एच. डी. की उपाधि प्राप्त हुई। उन्होंने रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से भाषा विज्ञान में एम. ए. किया और सन 1973 में विषय छत्तीसगढ़ भाषा का उद्भव विकास शोध प्रबंध के आधार पर भाषा विज्ञान में पी. एच. डी. की उपाधि प्रदान की गई।

आपका विवाह सिर्फ 18 वर्ष की आयु में ही हो गई थी। नरेन्द्रदेव जी के ज्येष्ठ भाई तुलेन्द्र (विवेकानंद आश्रम के शिक्षा के साथ समाजसेवी के लिए जाने गए डा. नरेन्द्र देव वर्मा स्वामी आत्मानंद) बचपन से ही स्वामी विवेकानंद जी के दिखाए पथ का अनुसरण कर रहे थे। उनकी अपनी एक पहचान बन चुकी थी, परन्तु विवेकानंद के आदर्शों की उनकी इस आस्था का प्रभाव उनके भाइयों में पड़ना स्वाभाविक था। उनके पिता धनीराम जी द्वारा इसको भांप कर उनके दूसरे क्रम के भाई देवेंद्र और मात्र 18 साल के नरेंद्र की विवाह तय कर दी गयी। शादी वाले दिन देवेंद्र शादी स्थल से ही भाग गए और नरेंद्र देव वहां फंस गए। इसी कारण उनके परिवार में सिर्फ नरेन्द्र वर्मा ही इकलौते गृहस्थ जीवन यापन करने वाले सदस्य थे।

उनके बड़े भाई ब्रम्हलीन स्वामी आत्मानंद जी का प्रभाव उनके जीवन पर बहुत अधिक पड़ा था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं दीर्घायु प्राप्त यशस्वी शिक्षक पिता स्व. धनीराम वर्मा के पाँच यशस्वी पुत्रों में डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा एकमात्र विवाहित और गृहस्थ थे। तीन पुत्र रामकृष्ण मिशन में समर्पित संन्यासी एवं एक पुत्र अविवाहित रहकर पं. रविशंकर विश्वविद्यालय में प्राध्यापक है तथा स्वामी आत्मानंद जी के 'स्वप्न केन्द्र' विवेकानंद विद्यापीठ के संचालक है। इस प्रकार डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा का जीवन विवेकानंद भावधारा से प्रभावित उत्तम संस्कारों जीवन था- जहाँ छत्तीसगढ़ी संस्कृति की लोक भावधारा भी नदी के कल-कल ध्वनि की तरह बहती थी। डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा साहित्य के क्षेत्र में इतने अधिक प्रतिभावान थे की उनसे साहित्य का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं था वे एक कवि, उपन्यासकार, चिंतक, नाटककार, संपादक और श्रेष्ठ मंच संचालक थे।

छत्तीसगढ़ी गीत संग्रहः अपूर्वा (सुप्रसिद्ध संग्रह) हिंदी उपन्यासः सुबह की तलाश (सोनहा बिहान छत्तीसगढ़ी रूपांतरित नाटक जो छत्तीसगढ़ में सुप्रसिद्ध नाटक है)

हिंदी ग्रन्थः छत्तीसगढ़ भाषा का उद्विकास, नयी कविता सिद्धांत एवं सृजन, हिंदी नव स्वच्छन्दवाद, हिंदी स्वच्छंदवाद प्रयोगवादी।

छत्तीसगढ़ प्रहसनः मोला गुरु बनाई लेते।

हिंदी अनुवादः श्री मां की वाणी, श्री कृष्ण की वाणी, मोंगरा, श्री राम की वाणी, पैगम्बर मोहम्मद की वाणी, ईसा मसीह की वाणी, बुद्ध की वाणी।

डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा के जीवन का दूसरा पक्ष लोककला से भी जुड़ा था। छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के यशस्वी और अनोखी प्रस्तुती देने वाले स्व. महासिंह चंद्राकर के रात भर चलने वाले लोकनाट्य 'सोनहा बिहान' के प्रभावशाली उद्घोषक हुआ करते थे। उनका स्वर, श्रोताओं और दर्शकों को अपने सम्मोहन में बांध लेता था। वे अपने अंतिम समय तक इसका संचालन करते रहे। जब यह स्वर अचानक बंद हुआ तो, उन्हीं की पंक्ति आकाश व धरती में गूंजने लगी-

'न जमो हर लेवना के उफान रे टलन जाही।

दुनिया अठवारी बजार'

डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा छत्तीसगढ़ी भाषा की अस्मिता के प्रतीक थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा और व्याकरण का ग्रंथ लिखा- छत्तीसगढ़ी का उद्विकास। छत्तीसगढ़ी अनेक छत्तीसगढ़ी कहानियाँ कथाकथन शैली में प्रकाशित हुई (सन् 1962 से 65 के बीच) हिन्दी में श्सुबह की तलाशर उपन्यास, 'अपूर्वा' काव्य संकलन प्रकाशित हुआ। डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा ने यद्यपि गृहस्थ जीवन व्यतीत किया, फिर भी उनके अंतस् में विवेकानंद भाव धारा एवं रामकृष्ण मिशन का गहन प्रभाव था। उनके हृदय में छत्तीसगढ़ के प्रति अपार प्रेम था। वे छत्तीसगढ़ी लोककला के प्रेमी, लोक संस्कृति के गायक और छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य की परंपरा को समृद्ध करने वाले महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। वे कथाकार कवि और दार्शनिक तो थे ही, छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त भाषा-विज्ञानी भी थे। उन्होंने अपने गीतों की स्वरलिपि भी तैयार की।

' अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार, इंद्रावती हा पखारे तोर पड़याँ,

जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मइयाँ ।'

इस गीत के अमर रचयिता डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा ने छत्तीसगढ़ की वंदना के कई अविस्मर्णीय गीत लिखे।

डॉ. नरेन्द्र देव सिर्फ 40 वर्ष की उम्र में ही 8 सितम्बर 1979 को रायपुर में ब्रम्हलीन हो गए।

साप्ताहिक शहर सत्ता

पेटी-खोखा अब रेती-गिट्टी

घोटाले में वसूली लाखों में तो गिट्टी और करोड़ों में हो तो रेती था कूट शब्द

'गिरा' या 'इन' वाक्यों का मतलब होता था कि रकम प्राप्त हो चुकी है

छत्तीसगढ़ में घोटालेबाजी के आरोपी नौकरशाहों का था व्हाट्सप्प ग्रुप

शहर सत्ता/रायपुर। ED, IT, CBI और EOW-ACB के जांच घेरे में फंसे छत्तीसगढ़ कैडर के अखिल भारतीय और राज्य सेवाओं के कई अधिकारीयों की वसूली की भाषा बदल गई थी। आमतौर पर मुंबईया टपोरी भाषा में जिस तरह लाखों-करोड़ों रूपये के लिए खोखा और पेटी जैसे शब्द प्रचलित हैं। ठीक उसी तरह छत्तीसगढ़ में घोटालों के आरोपी कैडर के IAS-IPS रेती और गिट्टी जैसे कोड वर्ड का यूज़ करते थे। इसका खुलासा घोटालों की जांच कर रही एजेंसियों की पड़ताल में सामने आया है। अपने पद और प्रभाव का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे थे। सरकारी सिस्टम को ऑफलाइन कर शासन – प्रशासन और कायदे – कानूनों की धज्जियाँ उड़ाने वाली चैट के उजागर होने के बाद ऐसे आपराधिक छवि के IAS और IPS अधिकारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। राज्य में यह पहला मौंका है जब आल इंडिया सर्विस के अधिकारियो ने सरकारी तिजोरी पर ही सेंधमारी की थी।

सूर्यकांत तिवारी (दाएं) और सौम्या चौरसिया (बाएं) के बीच हुई व्हाट्सएप्प चैट का स्क्रीनशॉट

भाजपा संगठन में कार्रवाई के लिए उठने लगी आवाज़

बीजेपी के भीतर ऐसे दागी अफसरों को कम्पलसरी रिटायरमेंट देने की मांग ने बीजेपी के भीतर ही जोर पकड़ लिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार से दागी अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। इन नेताओं ने पीएमओ को पत्र लिखकर ED की जाँच रिपोर्ट का हवाला दिया है। इस बीच जाँच एजेंसी द्वारा अदालत में पेश की गई चार्जशीट के कई तथ्य मय दस्तावेज मीडिया में वायरल हो रहे है। इसे देख पढ़ कर बीजेपी और आरएसएस के कई वरिष्ठ नेता हैरानी जता रहे है। उनकी दलील है कि भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत दागी अफसरों को कम्पलसरी रिटायरमेन्ट देने से आम जनता के बीच अच्छा और कड़ा सन्देश जाएगा। इससे BJP सरकार की छवि निखरेगी। दागी अफसरों की अभी भी मलाईदार पदों पर तैनाती से घोटाले के सबूतों और गवाहों को प्रभावित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। पुलिस मुख्यालय और मंत्रालय में ऐसे दागी अफसरों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की मांग को लेकर गहमा– गहमी देखी जा रही है। प्रशासनिक हलकों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक लोगों की निगाहें मुख्य सचिव के कार्यालय की ओर लगी हुई है।

वसूली का कोड वर्ड

- **लाखों की रकम की तुलना गिट्टी से की थी, जबकि रेती से मतलब नगदी करोडो में**
- **'गिरा' या 'इन' वाक्यों का मतलब होता था कि रकम प्राप्त हो चुकी है**
- **जुगनू और टावर नामक व्हाट्सएप ग्रुप काफी संवेदनशील और आपराधिक शैली के थे**
- **दागी अफसरों के मोबाईल नंबर और सिम किसके नाम पर और कैसे उपलब्ध हुए पड़ताल जारी**
- **1500 पन्नों की ED की चार्जशीट में वॉट्सऐप चैट, ग्रुप एक्टिविटी और तीन IPS अफसरों के नाम**
- **कोरबा और रायगढ़ में वसूली के लिए अलग से ऑफिस खोले गए थे**
- **सौम्य-सूर्यकांत के संपर्क में थे IPS पारूल माथुर, IPS प्रशांत अग्रवाल और IPS भोजराम पटेल**
- **कोल वाशरी संचालकों से 100 रुपए प्रति टन और कारोबारियों से 25 रुपए प्रति टन ट्रांसपोर्टिंग शुल्क**
- **ED की रिपोर्ट पर ACB /EOW ने 2 पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 36 लोगों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज**
- **रायगढ़ का पूरा वसूली कार्य नवनीत तिवारी और कोरबा का मोइनुद्दीन करता था। वसूली की रकम सूर्यकांत लेता था**

राहुल मिश्रा और सौम्या चौरसिया के बीच हुई व्हाट्सएप्प चैट का स्क्रीनशॉट जो उसने सूर्यकांत तिवारी को शेयर किया था

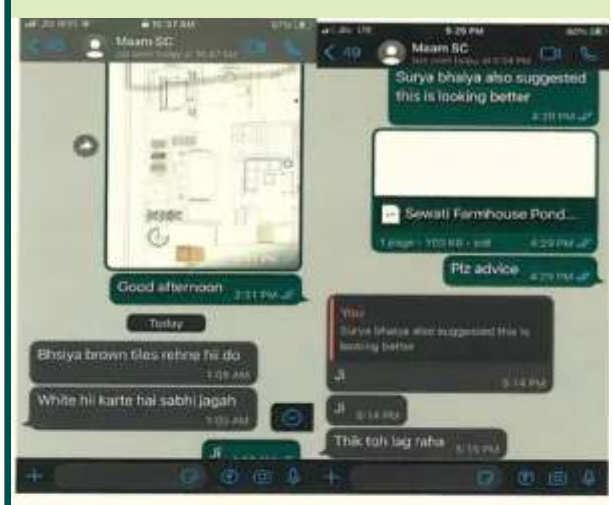

दुर्ग, वीकली, टावर और जुगनू नाम के व्हाट्सप ग्रुप

राज्य में कोयले की दलाली और अवैध कारोबार के लिए आरोपित IAS–IPS अधिकारियों और कारोबारियों का व्हाट्सप्प ग्रुप भले ही कांग्रेस राज में कारगर साबित हुआ था। लेकिन अब यही व्हाट्सप्प ग्रुप उसके सदस्यों के लिए गले की फ़ांस बन गया है। इस व्हाट्सप्प ग्रुप में कोल खनन परिवहन घोटाले ही नहीं बल्कि कारोबारियों और अफसरों के रोजाना अवैध आय के स्रोतों की पूरी दास्तांन सिलसलेवार दर्ज बताई जाती है। पूर्ववर्ती सरकार के करीबियों, रिश्तेदारों और सरकारी कारिंदों के बीच वाट्सअप ग्रुप में काली कमाई को लेकर किये गए चैट्स वायरल हो रहे हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की निगरानी में दुर्ग, वीकली, टावर और जुगनू नाम के व्हाट्सप ग्रुप विभिन्न घोटालों को अंजाम देने के लिए ऑनलाइन टूल्स का काम कर रहे थे। ऐसे ग्रुपो को चिन्हित करने के बाद हैरान करने वाली चैट भी सामने आई है।

फ़िलहाल ये आरोपी जमानत पर

IAS रानू साहू, IAS समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया, जेडी माइनिंग एसएस नाग और कोल माफिया सूर्यकांत तिवारी फ़िलहाल जमानत पर है। माना जा रहा है कि ED की चार्जशीट में प्रस्तुत कई गंभीर तथ्य आरोपियों के खिलाफ नए सिरे से पृथक FIR दर्ज करने के लिए पर्याप्त बताये जाते है। बता दें कि ED की रिपोर्ट पर ACB /EOW ने 2 पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 36 लोगों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज कर मामले की जाँच जारी रखी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।